सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 126 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 18 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से, वित्तमंत्री ओपी चौधरी पेश करेंगे साय सरकार का दूसरा बजट

बजट से पहले विभागों में जारी है प्रस्तावों पर चर्चा, पीएम मोदी की गारंटियों पर फोकस हो सकता है इस बार का बजट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार का दूसरा बजट मोदी की गारंटियों पर फोकस रह सकता है। नगरीय निकाय चुनाव व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद 24 फरवरी से छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है। बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होकर 21 मार्च तक चलेगा। बजट प्रस्तावों को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी सभी मंत्रियों के विभागवार प्रस्तावों पर चर्चा कर रहे हैं। सोमवार को भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व मंत्री केदार कश्यप के विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। राज्यपाल रमेन डेका के अभिभाषण के साथ बजट सत्र की शुरुआत होगी। इसके बाद वित्तमंत्री ओपी चौधरी साय सरकार का दूसरा बजट पेश करेंगे।

बता दें साय सरकार का पहला बजट पिछले साल 9 फरवरी को पेश किया गया था। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस बजट को 'GYAN' (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) पर केन्द्रित किया था। बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने 1 लाख 47 हजार 500 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया था। इनका यह बजट पूर्ववर्ती भूपेश सरकार की तुलना में 22 फीसदी अधिक था। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पिछले वर्ष की तूलना में और भी बड़ा हो सकता है। बताया जा रहा है कि इस बार केंद्र सरकार की 'मोदी की गारंटी के तहत कई नई योजनाओं की घोषणा साय सरकार कर सकती है।

बजट पर हुई मंत्री स्तरीय चर्चा

बजट को लेकर महानदी भवन मंत्रालय में सोमवार को 2025-26 के बजट और नए मद प्रस्तावों पर मंत्री स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री के विभाग धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशुपालन विभाग, ग्रामोद्योग, स्कूल शिक्षा, सामान्य प्रशासन, उच्च शिक्षा विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति, जनशिकायत निवारण, वाणिज्यिक कर (आबकारी), परिवहन, जनसंपर्क, खनिज साधन, विमानन, सुशासन एवं अभिसरण, ऊर्जा विभाग के बजट प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में वित्तमंत्री ओपी चौधरी और वनमंत्री केदार कश्यप ने मिलकर बजट प्रस्तावों के सही क्रियान्वयन और राज्य के विकास के लिए योजनाएं बनाने पर चर्चा की।

बजट में होंगी कुल 17 बैठकें

बजट सत्र के दौरान कुल 17 बैठकें होंगी। इस दौरान सत्तापक्ष व विपक्ष के सवालों पर भी चर्चा होगी। बजट सत्र के लिए के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायकों ने 1,862 सवाल लगाए हैं। जिनमें 943 तारांकित और 871 अतारांकित सवाल शामिल हैं। इनमें से अधिकतर सवाल ऑनलाइन लगाए गए हैं। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने अगले पांच वर्ष के लिए जीडीपी को 10 करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सरकार ने योजना भी बनाई है। साय सरकार ने इसके लिए 10 पिलर्स निर्धारित किए हैं, जिनके माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है।

खास-खबर

सरपंच बनने तंत्र-मंत्र का सहारा ले रहे ग्रामीण नेता

दुर्ग। समीपस्थ ग्राम बेलौदी गांव में तंत्र-मंत्र जादू टोना का सहारा लेकर सरपंच चुनाव लड़ने का मामला सामने आया है। यहां बड़ी संख्या में तंत्र-मंत्र से जुड़ी सामग्री जब्त की गई है। लोगों ने सरपंच प्रत्याशी पर पहले भी तंत्र-मंत्र से चुनाव जीतने का आरोप लगाया है। उनका यह भी कहना है कि इस बार वो तंत्र-मंत्र नहीं कर पाया तो चुनाव हार गया।

मामला दुर्ग विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलौदी का है। यहां सरपंच पद के लिए मतदान से एक दिन पहले रविवार रात को बड़ी मात्रा में नींबू, चाकू, बंदन और अन्य सामान मिला था। सरपंच पद के लिए देशमुख समाज की ओर से खड़ी प्रत्याशी जावंतिन देशमुख और उनके समर्थकों ने इसका जमकर विरोध किया। गांव में बढ़ते आक्रोश को देखकर जेवरा सिरसा चौकी पुलिस वहां पहुंची। ग्रामीणों ने गांव के लोगों पर जादू टोना करने का शक जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

आज से तीन दिन तक नहीं होगी पेयजल सप्लाई

भिलाई। भिलाई और रिसाली नगर निगम क्षेत्र में आने वाले तीन दिनों तक पेयजल सप्लाई बंद रहेगी। फिल्टर प्लांट के मरम्मत का काम चलेगा जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। आज यानि 18 फरवरी से संयंत्र को

शटडाउन किया जा रहा है। बैकअप के लिए निगम ने टैंकर की व्यवस्था की है। जानकारी के मुताबिक, भिलाई नगर द्वारा निर्मित 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र से फिल्टर होने के बाद पानी की सप्लाई रिसाली और भिलाई के अलग-अलग वार्डों में की जाती है। इस संयंत्र में पानी भरने वाली राइजिंग पाइप लाइन में लीकेज की समस्या हो गई है, जिसका मरम्मत करना जरूरी हो गया है। भिलाई नगर निगम के इंजीनियरों ने निर्णय लिया है कि वो 19 फरवरी की सुबह 9.30 बजे से जलशोधन संयंत्र में शटडाउन लेकर राइजिंग पाइप लाइन की मरम्मत का काम करेंगे। मरम्मत का काम 19 फरवरी से 21 फरवरी तक किया जाएगा। इसलिए इन तीन दिनों तक पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी।

सैम पित्रोदा के बयान पर सीएम साय का पलटवार

बोले- कांग्रेस का हाथ अलगाववादियों व देश के दुश्मनों के साथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा के चीन को लेकर दिए बयान के बाद देशभर में कांग्रेस की किरकिरी हो रही है। सैम पित्रोदा के इस बयान के बाद भले ही कांग्रेस पार्टी कहती फिर रही हो कि उनके बयान से पार्टी का कोई संबंध नहीं है इसके बाद भी भाजपा लगातार हमलावर है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने भी सैम पित्रोदा के बयान की निंदा करते हुए कांग्रेस पार्टी को घेरा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हाथ सीधे तौर पर अलगाववादियों, देश के दुश्मनों के साथ है।

दरअसल इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने सोमवार को कहा था कि भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इस बयान के बाद कांग्रेस को देशभर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस की सहयोगी पार्टिया भी इस बयान के साथ नहीं है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि सैम पित्रोदा द्वारा चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं। चीन हमारी विदेश नीति, बाह्य सुरक्षा, और आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

तो पार्टी से निष्कासित क्यों नहीं करती कांग्रेस

सीएम साय ने कहा कि अपने नेता से बयान दिला कर पहले देश विरोधियों को तुष्ट कर देना और फिर भारत में उसे निजी बयान बता देना यह साबित करता है कि कांग्रेस आज भी 'चोर से कहो चोरी कर और गृह स्वामी से कहो जागते रहो की अपनी पुरानी नीति पर कायम है। संबंधित देश के सत्ताधारी से कांग्रेस का आधिकारिक समझौते के कारण ही ये तमाम बयान आते हैं। अगर सैम के बयान से सहमति नहीं है तो क्या उन्हें पार्टी से निष्कासित कांग्रेस? अगर उन्हें को बर्खास्त नहीं किया जाता है, तो यह साबित होगा कि पार्टी आलाकमान के इशारे पर ही देश को कमजोर करने का कुचक्र रचा जा रहा है। यह निंदनीय है। इसे कतई सहन नहीं किया जा सकता। हालांकि कांग्रेस ने सैम पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं।

सैम पित्रोदा को दुश्मनों का हाथ मजबूत करने रखा है : सीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णोदेव साय ने कहा कि कांग्रेस के हाथ सीधे तौर पर अलगाववादियों, देश के दुश्मनों के साथ है। कांग्रेस के विदेशी विभाग के प्रमुख सैम पित्रौदा को शायद देश के दुश्मनों का हाथ मजबूत करने के लिए ही रखा गया है। पित्रौदा द्वारा पहले भारतीय नस्ल को ही अपमानित करना, फिर बार-बार भारत के बारे में अलग-अलग मंचों पर दुष्प्रचार करना और देश को कमजोर करने की साजिश रचते रहना कांग्रेस की अघोषित नीति ही है। अभी फिर एक विवादास्पद बयान देकर फिर वही किया गया है। सैम पित्रौदा के हर बयान के बाद उसे निजी बयान बता देना भी कांग्रेस की पहले से तय नीति है।

जानिए क्या कहा था सैम पित्रोदा ने

एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने कहा- चीन को दुश्मन मानने के बजाय उसे सम्मान देना चाहिए। मुझे समझ ही नहीं आता कि भारत को चीन से क्या खतरा है। हम सभी को साथ आकर काम करना चाहिए। भारत को चीन के प्रति अपने नजरिए को बदलने की जरूरत की है। हमारा रवैया पहले दिन से ही टकराव का रहा है। यह दुश्मनी पैदा करता है। मुझे लगता है कि हमें इस पैटर्न को बदलने की जरूरत है। यह किसी के लिए भी ठीक नहीं है।

ज्ञानेश कुमार होंगे अगले मुख्य चुनाव आयुक्त केन्द्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नईदिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। ज्ञानेश कुमार, 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी, पिछले साल मार्च से चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं विवेक जोशी निर्वाचन आयुक्त नियुक्त होंगे। ज्ञानेश कुमार के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के बाद यह पद खाली हुआ है। ज्ञानेश कुमार मौजूदा सीईसी राजीव कुमार के रिटायरमेंट के बाद पदभार ग्रहण करेंगे। राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्त का आदेश सोमवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल

गांधी की चुनाव समिति की बैठक के तुरंत बाद आया है।

ज्ञानेश कुमार केरल कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और राजीव कुमार के नेतृत्व वाले तीन सदस्यीय पैनल में दो अन्य आयुक्तों से वरिष्ठ हैं। 26वें सीईसी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान ज्ञानेश कुमार इस साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनावों और 2026 में केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों की देखरेख करेंगे। वे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों की देखरेख करेंगे, जो 2026 में होने वाले हैं। दिसंबर 2023 में लागू हुए मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहली नियुक्ति है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक पूरा करने के बाद ज्ञानेश कुमार. आईसीएफएआई, भारत में बिजनेस फाइनेंस और एचआईआईडी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका में पर्यावरण अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है। उन्होंने केरल सरकार में एर्नाकुलम के सहायक कलेक्टर, अदूर के उप-कलेक्टर, एससी एसटी के लिए केरल राज्य विकास निगम के प्रबंध निदेशक, कोचीन निगम के नगर निगम आयुक्त के अलावा अन्य पदों पर काम किया है।

घर-घर दस्तक दे रही दुर्ग पुलिस, साइबर फ्रॉड व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट को लेकर कर रही सजग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन फ्रॉड, शेयर मार्केट के इन्वेस्ट के नाम पर साइबर फ्रॉड सहित अन्य तरह की धोखाधड़ी के मामलों में फंसने बचने दुर्ग पुलिस द्वारा इन दिनों विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दुर्ग पुलिस घर-घर दस्तक दे रही है और लोगों को ऑनलाइन फ्रॉड, शेयर मार्केट के इन्वेस्ट के नाम पर ठगे जाने को लेकर जागरुक कर रही है। दुर्ग के सभी थानों की पुलिस इन दिनों इस विशेष अभियान जुड़ी हुई है।

इसी कड़ी में थाना सुपेला की टीम भी थाना प्रभारी राजेश मिश्रा के निर्देश पर अपने क्षेत्र में लोगों को जागरुक कर रही है। सुपेला पुलिस की टीम अपने क्षेत्र की कॉलोनियों व बस्तियों में जाकर लोगों को समझाइश दे रही है। साइबर फ्रॉड के तरीके, किस तरह ठग अपना काम करते हैं और कैसे फंसाते है इसकी जानकारी दी जा रही है। लोगों को आगाह किया जा रहा है कि किसी भी तरह के साइबर फ्रॉड के फेर में न पड़े। कोई भी ऐसा संदिग्ध कॉल आए तो इसकी सूचना नजदीकी थाने में जरूर दें।

इस तरह किया जा रहा सजग

बता दें साइबर फ्रॉड के लिए ठग अक्सर बैंक, शेयर मार्केट, लॉटरी का लालच आदी देकर रुपए ठगते हैं। पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कि कभी भी बैंक की ओर आपके खाते से संबंधित कोई जानकारी नहीं मांगी जाती है। इसके साथ ही शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के लिए कभी कंपनियां कॉल नहीं करती। अक्सर देखा गया है कि लोग लाखों की लॉटरी के झांसे में आ जाते हैं और इसके एवज में काफी पैसा लुटा देते हैं। पुलिस द्वारा लोगों को इससे बचने की सलाह दी जा रही है। यदि किसी प्रकार की ठगी का शिकार हाने पर तत्काल नजदीकी थाने व साइबर हेल्पलाइन को सूचित करने की समझाइश दी जा रही है।

कांग्रेस नेता का लॉकअप में हैप्पी बर्थडे

श्रीकंचनपथ

भारतीय समाज में पिछले कुछ सालों में एक जो बड़ा बदलाव आया है उसमें पर्सनल सेलीब्रेशन भी शामिल है। जन्मदिन और एनीवर्सरी इसमें शीर्ष पर है। लोग सोशल मीडिया पर अपना जन्मदिन, अपनी पत्नी का जन्मदिन और बच्चों का जन्मदिन पोस्ट करते हैं। इसमें एक खूबसूरत तस्वीर के साथ ही एक प्यारा सा मैसेज भी होता है। इसमें एक अपील भी होती है कि आज मेरी प्यारी पत्नी या प्यारे बच्चों का जन्मदिन है। कृपया उन्हें आशीर्वाद और प्यार दें। इतना सारा प्यार बांटने के लिए अमूमन लोगों के पास शब्द भी नहीं होते। सोशल मीडिया प्लेटफार्मस ने इसे भी इमोजी और जिफ देकर आसान कर दिया है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। लोग अपने-अपने घरों में बैठकर बधाई दे देते हैं। पाने वाला भी घर बैठे आशीर्वाद बटोर लेता है। पर नेता टाइप के लोगों को इतने पर ही संतोष नहीं होता। वे बड़ी पार्टियां करते हैं। अकसर ये पार्टियां होटलों, रिसार्ट्स या फार्महाउस में होती हैं। पर कुछ लोग अपने जन्मदिन को इससे भी ज्यादा धूमधाम के साथ मनाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बर्थडे को न केवल परिजन और समर्थक बल्कि आम लोग भी देखें। ऐसे लोग सड़कों पर केक काटते हैं। आतिशबाजी करते हैं। पिछले कुछ सालों में सड़क पर विशाल केक काटने का एक नया चलन देखने को मिला है। कोई-कोई इस विशाल केक को तलवार से काटता नजर आता है। हमारी समझ में तलवार मारकाट के लिए बनाई गई थी। तो क्या ये केक की हत्या करते हैं? रायपुर में एक कांग्रेस नेता ने सड़क पर जन्मदिन मनाने की जिद पकड़ ली। एक जगह से उन्हें सीएसपी ने खदेड़ा तो दूसरी जगह पहुंच गए। यहां से एसएसपी ने उन्हें समर्थकों सहित गिरफ्तार कर लिया। एक दौर था जब जन्मदिन पर घर के लोग ही बधाई और उपहार देते थे। जिसका जन्मदिन होता था वह नहा-धोकर नए वस्त्र धारण करता था। माता उसका तिलक आरती करती थी और खीर खिलाकर मुंह मीठा करवाती थी। परिवार के लोग आशीर्वाद देते थे। नॉन वेज खाने वाले भी उस दिन सात्विक भोजन करते थे। पर अब जमाना 'ये दिल मांगे मोर' का है। ये दिल अब सेलीब्रेशन मांगता है। होटल, रिसॉर्ट का खर्चा हर कोई नहीं कर सकता। लिहाजा वो सड़कों पर सेलीब्रेट करते हैं। इसके लिए आधी रात का वक्त चुना जाता है। भले ही उसका जन्म सुबह, दोपहर या शाम को हुआ हो, बर्थडे वह तारीख बदलने के साथ सेलीब्रेट करता है। अब आधी रात को कोई गली मोहल्ले में आतिशबाजी करे, कार के बोनट पर तलवार से केक काटे तो लोगों को दिक्कत तो होगी। ये तो हद दर्जे की बदतमीजी है। दरअसल, लोगों ने खुद को खुद ही भगवान का दर्जा दे दिया है। वो चाहते हैं कि उनका जन्मदिन नहीं बल्कि जन्माष्टमी मनाई जाए। पूरा शहर सजाया जाए और आधी रात को बीच चौराहे पर मटकी फोड़ी जाए।

संपादकीय

हार का सच कार्यकर्ताओं से पूछना चाहिए

चुनाव होता है तो कोई जीतता है,जो जीतता है, वह जीत का जश्न मनाता है, वह उत्साह से भरा रहता है, उसे उम्मीद रहती है कि उसे भी आगे कोई पद मिलेगा। पद मिलेगा तो वह सोचता है क्या क्या करना है। यानी एक तरफ सकारात्मक सोच रहती है। कोई हारता है तो उसे दुख होता है, निराशा होती है, गुस्सा आता है,उसे कोई उम्मीद नहीं रहती कि आगे कोई पद मिलेगा,वह सोच नहीं पाता है कि आगे क्या करना है। यानी कि नेता व कार्यकर्ता गहरी निराशा में होते हैं।उनकी सोच ही नकारात्मक हो जाती है। उनमें जीत का जज्बा ही खत्म हो जाता है।वह सोच नहीं पाते हैं कि उनकी पार्टी कोई चुनाव जीत सकती है। भाजपा व कांग्रेस में यही फर्क है।

> *भाजपा जीत के रथ पर सवार है, उसके सामने करने को बहुत कुछ है। कांग्रेस निराशा के गहरे अंधेरे में घिरी हुई है। एक दो चुनाव हारे होते तो कोई बात होती, विधानसभा, लोकसभा, उपचुनाव के बाद नगरीय निकाय चुनाव लगातार चार चुनाव कांग्रेस हार चुकी है। ऐसे में कार्यकर्ताओं में निराशा गहरी होती जाती है। हर हार से निराशा और गहरी हो जाती है। अपने नेताओं से कार्यकर्ताओं का भरोसा उठ जाता है। उन्हें लगता है कि हमारे पास कोई चुनाव जिताने वाला नेता नहीं है। 2018 में कांग्रेस के पास चुनाव जिताने वाले नेता भूपेश बघेल थे, पांच साल उन्होंने सरकार चलाई,पांच साल बाद वह भी चुनाव हार गए। पांच साल बाद वह चुनाव जिताने नेता नहीं रह गए हैं।*

भूपेश बघेल हमेशा चुनाव जिताने वाले नेता होते तो विधानसभा नहीं तो लोकसभा चुनाव तो जीतते, उपचुनाव जीतकर दिखाते, राजनांदगांव चुनाव जीत कर दिखाते, और कुछ नहीं तो नगरीय निकाय चुनाव ही जीतकर दिखाते। यानी पांच साल बाद फिर वही स्थिति है जो स्थिति 2018 के पहले पंद्रह साल तक थी। कांग्रेस एक चुनाव जीतकर दूसरा चुनाव हार जाती है, उसके बाद कई चुनाव हारती जाती है तो उसकी एक वजह यह भी है कि वह जानने का प्रयास ही नहीं करती है कि हम हारे क्यों।

कांग्रेस जानने का प्रयास नहीं करती कि हम निरंतर क्यों हार रहे हैं। विधानसभा चुनाव हारने के बाद दिल्ली से नेता आए थे हार के कारणों का पता लगाने के लिए। लेकिन आज तक पता नहीं चला कि कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में हारने का कारण क्या था। अगर कारण पता चलता तो उससे सीख लेकर कांग्रेस लोकसभा चुनाव में वह गलती नहीं करती जिसके कारण वह विधानसभा चुनाव हारी थी।इसके बाद कांग्रेस के पास उपचुनाव जीतकर पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं में जीत का जोश भरने का मौका था लेकिन यह मौका भी कांग्रेस के बड़े नेता या बड़े नेताओं ने गंवा दिया। सब जानते थे नगरीय निकाय चुनाव उनके लिए आखिरी मौका है जीतकर साबित करने का कांग्रेस छत्तीसगढ़ में मजबूत है, एकजुट है, चुनाव जीत सकती है लेकिन यह मौका भी कांग्रेस के बड़े नेता या नेताओं ने गंवा दिया।

कांग्रेस के पास जीतने के चार मौके थे, चारों बार वह हारते गए। हार के कारणों का पता अक्सर कांग्रेस लगाने का प्रयास करती है तो वह बड़े नेताओं से पूछती है। वह पूरा सच नहीं बता पाते हैं क्योंकि पूरा सच उनको पता नहीं रहता है। जमीनी हकीकत का उनको पता नहीं रहता है। बूथ में क्यों हारे यह बूथ का कार्यकर्ता बता सकता है, वार्ड में क्यों हारे यह वार्ड का कार्यकर्ता बता सकता है लेकिन हार का सच उससे पूछा नहीं जाता है।एक एक हारने वाले से नहीं पूछा जाता है। बड़े नेता तो हार के लिए खुद को दोषी तक नहीं मानते हैं, बड़ी हार,कई बार की हार के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए लेकिन वह इंतजार कर रहे हैं कि दिल्ली क्या कहती है। हारने पर सबसे पहले तो बड़े नेताओं व प्रदेश अध्यक्ष को हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और बताना चाहिए कि पार्टी चुनाव हारी तो क्यों हारी। ऐसा तो कांग्रेस में होता नहीं है क्योंकि हारने पर आलाकमान भी तो यह कहां स्वीकार करता है कि हार के लिए वह दोषी है। उसे बचाने वाले होते हैं, वह पार्टी की हार के लिए चुनाव आयोग को दोषी बता देते हैं। ईवीएम में गड़बड़ी को कारण बता देते हैं, ज्यादा हुआ सरकार ने सत्ता व प्रशासन का दुरुपयोग कर चुनाव जीतने का आरोप लगा देंगे।

दिल्ली में ही जब नेता हार को स्वीकार नहीं करते हैं तो प्रदेश के नेता भी वही कहते हैं जो दिल्ली में? कहा जाता है।सीखने वाले तो जीतने वाले से भी सीख सकते हैं वह कैसे जीतते हैं। पंद्रह साल लगातार कैसे जीतते हैं। बताने वाले बता भी रहे हैं कि कांग्रेस में नेता चुनाव लड़ते हैं,चेहरे पर चुनाव लड़ा जाता है इसलिए कांग्रेस हार जाती है, भाजपा में संगठन चुनाव लड़ता है, इसलिए वह जीत जाती है। भाजपा में पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है, कांग्रेस में दिग्गज नेता ही एक दूसरे से बड़ा साबित करने में लगे रहते है। सब खुद को पार्टी से बड़ा समझते हैं और चाहते हैं कि हम जैसा चाहते हैं वैसा ही हो। वैसा ही होता है और वह खुद भी चुनाव हारते हैं और पार्टी को भी हरा देते हैं। वह खुद पार्टी को हराते हैं, इसलिए वह कैसे स्वीकारे कि हमने ही पार्टी को हराया है, तब वह दूसरे कारण बताते हैं कि हारने के लिए हम दोषी नहीं है, दूसरे दोषी हैं,सरकार, ईवीएम,चुनाव आयोग दोषी है।

पथरीली और बंजर जमीन हरी-भरी

भारत डोगरा

किसी भी किसान के लिए बहुत उत्साहवर्धक स्थिति है कि पथरीली और बंजर पड़ी भूमि हरी-भरी फसलों से मुस्कुराने लगे और यह उत्साह आज राजस्थान के करौली जिले के अनेक किसानों में दिखाई दे रहा है। मकनपुरस्वामी गांव (मंडरयाल ब्लॉक) के कृषक बल्लभ और विमला ने बताया कि उनके गांव में पत्थर का खनन होता रहा है और बहुत सी जमीन पथरीली होने के साथ खनन के पत्थर भी इधर-उधर बिखरे रहते हैं। गांव में पानी की बहुत कमी थी। अतः उनकी जमीन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बंजर पड़ा था।

इस स्थिति में आसपास के अनेक गांवों ने चंदा एकत्र किया और फिर श्रमदान करते हुए वप्रा के बहते पानी को एक स्थान पर रोक कर जल संकट को कुछ हद तक कम किया। आगे वे बताते हैं कि इससे भी बड़ा बदलाव तब आया जब 'सृजन' नामक संस्था ने जल-स्रोतों से मिट्टी हटवा कर खेतों में डलवाई। इससे जल-स्रेत में गहराई आई, अधिक जल एकत्र होने लगा और खेतों का उपजाऊपन बढ़ा। खेतों की मेढ़बंदी की तो उनमें भी पानी रुकने लगा। कृषि भूमि का समतलीकरण किया गया। इस सब का मिला-जुला असर यह हुआ कि बहुत सी पथरीली बंजर भूमि पर अब खेती होने लगी।

बल्लभ और विमला अपने हरे-भरे सब्जी के खेत दिखाते हुए बताते हैं कि 'सृजन' ने बीज, पौधों और प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण द्वारा सहायता दी। आरंभ में प्राकृतिक खेती में कुछ कठिनाई आई पर अब प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की कीमत डेढ़ गुनी मिल रही है। विविध सब्जियों का फसल-चक्र वर्ष भर चलता रहता है, जिससे आय भी होती है और पोषण भी सुधरता है। पशुओं के गोबर और मूत्र की खाद बनाने के लिए बायो-रिसोर्स सेंटर भी उन्होंने स्थापित किया है। इसी गांव के किसान मान सिंह बताते हैं कि 'सृजन' ने उनके जैसे कुछ किसानों को सोलर पंप सेट लगाने में सहायता दी और कुछ अन्य को सरकारी विभागों से यह सब्सिडी सहित प्राप्त करने में सहयोग भी दिया। इनके सोलर पंप बहुत कामयाब हैं और डीजल के खर्च में भी बहुत कमी आई है, जबकि प्राकृतिक खेती के प्रसार से अन्य खचरे में बहुत कमी आई है।

इसी प्रखंड में जगदड़पुरा की महिला किसान संगठित हुई हैं, और नियमित मीटिंग कर विकास कार्य को आगे बढ़ाती हैं। यह गांव राजस्थान की सीमा पर है और थोड़ा सा आगे जाकर मध्य प्रदेश के मुरैना जिले या चम्बल क्षेत्र के बीहड़ आरंभ हो जाते हैं। अत- यहां भूमि बंजर होने का खतरा बीहड़ों के प्रसार से भी है और मिट्टी के अधिक कटाव से बीहड़ फैलते और बढ़ते हैं। गांव के किसान अपनी मेहनत से जमीन को समतल कर इस कठिन स्थिति को संभालते हैं। यहां 'सृजन' के प्रयासों ने किसानों की हिम्मत को बहुत बढ़ा दिया है। गांव की महिलाओं ने सामूहिक चर्चा में बताया कि पहाड़ी क्षेत्र में जल-संरक्षण कार्य 'सृजन' की सहायता से हुए हैं जिससे जल-स्तर में सुधार हो रहा है। भूमि का समतलीकरण और मेढ़बंदी को भी बढ़ाया गया है और प्राकृतिक खेती का प्रसार किया गया है।

ऐसे विभिन्न प्रयासों से इस गांव में लगभग 25 हैक्टेयर बंजर भूमि पर खेती होने लगी है और इससे लगभग दो गुनी भूमि पर फसल की सघनता और उत्पादकता बढ़ी है। जिस भूमि पर पहले केवल बाजरा होता था, उस पर अब गेहूं, चना, सरसों और सब्जियां सब हो रहे हैं। 'सृजन' के माध्यम से सरकारी कृषि विज्ञान केंद्र से भी मजबूती का संबंध बना है और सिलाई की मशीन, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर आदि का लाभ मिला है। खारा पानी गांव की बड़ी समस्या है और जब जल जीवन मिशन में लगे नल से बेहतर गुणवत्ता का पानी आने लगा तो लोग बहुत प्रसन्न हुए पर किसी अन्य गांव में पानी फसल के लिए लेने हेतु पाइपलाइन तोड़ दी गई तो यहां नल में पानी आना रुक गया और लोग फिर खारा पानी पीने को मजबूर हो गए। इसी ब्लॉक में स्थित तीन पोखर गांव पथरीली भूमि और पानी की कमी के अतिरिक्त जंगली जानवरों के प्रकोप से त्रस्त रहा है।

यहां की बहुत कठिन स्थितियों को देखते हुए अनेक संस्थाओं ने जल-संरक्षण का कार्य किया। हाल के समय में 'सृजन' ने 8 पोखर बनवाए, 18 पोखरों को गहरा किया, मेढ़ पक्की की और अन्य सुधार किए। प्राकृतिक खेती का प्रसार किया और सरकारी सहायता प्राप्त करने में सहयोग किया। इसका असर यह हुआ है कि विकट परिस्थितियों और विशेषकर जंगली पशुओं संबंधी बढ़ती कठिनाइयों के बावजूद कुछ किसान बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने में जुटे हैं और खेत से पत्थर हटाने, समतलीकरण, उपजाऊ मिट्टी डलवाने के कार्य 'सृजन' जैसी संस्थाओं के सहयोग से कर रहे हैं। सपोटरा ब्लॉक में कैला देवी धार्मिक स्थल से आगे पहाड़ी वनीय क्षेत्र इस जिले में अधिक हैं। यहां के मार्ग बहुत कठिन हैं और गांव दूर-दूर तक बिखरे हुए हैं। ऐसे बड़े क्षेत्र प्राय: नजर आते हैं जहां सिंचाई मिलने से खेती हो सकती है पर पानी के अभाव में भूमि बंजर पड़ी है।

अपने सीमित संसाधनों के आधार पर 'सृजन' ने ऐसे अनेक गांवों को चुना है और बड़ी संख्या में पोखर बनवाए हैं या पहले से बने पोखरों का सुधार किया है और उनकी सफाई के दौरान प्राप्त मिट्टी से खेतों को अधिक उपजाऊ बनाया। रावतपुरा एक ऐसा ही गांव है जहां 'सृजन' ने वर्ष में लगभग 13 नये जल स्रेत या पोखर बनवाए और लगभग इतने ही पहले से बने पोखरों का सुधार भी किया। इस कार्य के फलस्वरूप लगभग 200 एकड़ बंजर भूमि पर खेती होने लगी और लगभग इतनी ही भूमि पर एक के स्थान पर दो फसल होने लगीं और उत्पादकता भी बढ़ गई। जहां पहले वप्रा आधारित धान होता था, वहां रबी की फसल में भी गेहूं, चने, सरसों का उत्पादन होने लगा। पहले अपना पेट भरने लायक अनाज भी किसान प्राप्त नहीं कर रहे थे, वहां अब व्यापारी गांव में आकर ही गेहूं, सरसों आदि खरीदने लगे। एक किसान देवी सिंह की लगभग आधी भूमि बंजर पड़ी थी पर अब इस भूमि पर भी खेती हो रही है, फसल लहलहा रही है। किसान इन विभिन्न विकास कार्य में लगभग एक तिहाई आर्थिक सहयोग स्वयं देने को तैयार रहते हैं जबकि लगभग दो तिहाई सहयोग 'सृजन' की ओर से किया जाता है। जिन किसानों के लिए अपना सहयोग देना कठिन हो उनके लिए आपसी बातचीत से कोई समाधान निकाल लिया जाता है।

इस तरह समुदायों के साथ नजदीकी भागेदारी से कार्य करते हुए और इस आधार पर जल-स्रेतों के निर्माण, पुराने जल-स्रेतों के सुधार, मेढ़बंदी, भूमि समतलीकरण आदि के कार्य से बंजर भूमि को हरा-भरा करने की बड़ी संभावनाएं उत्पन्न होती हैं। 'सृजन' के टीम लीडर भवानी सिंह के अनुसार पांच वर्षों के प्रयास में प्रखंडों में 1250 एकड़ बंजर भूमि पर खेती की प्रगति संभव हुई और 286 पोखरों का सुधार हुआ जबकि 96 नये पोखर बनाए गए। ग्रामीण समुदायों की उत्साहवर्धक भागेदारी प्राप्त हो जाने से यह कार्य बहुत कम बजट पर हो सका और इस तरह बंजर भूमि को हरा-भरा करने के इस प्रयास से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

यूरोप को राजनीतिक और कूटनीतिक झटके

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है।

कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फार्मूला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है।

पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एडीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है।

यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैश्विक तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए।

एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

(ये लेखक के विचार हैं)

इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे।

उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी।

बीते दो वर्षों से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा। नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं।

खिलाड़ी और संपादक रहने के नाते उन्हें दांवपेंच का महारथी माना जाता रहा है। कुछ ही दिन पहले उनका कथित इस्तीफा भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसे फटा हुआ बताकर शरारत साबित करने की कोशिशें की गई थीं। सबसे लंबे समय तक वहां के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी के सबसे करीबी रहने और उनसे राजनीतिक दांव-पेच सीखने वाले सिंह ने न सिर्फ उनसे बगावत की बल्कि पलटवार करते हुए सत्ता भी हासिल की। आशंका की जा सकती है कि सिंह अपने तेवर फिर दिखाने से चूकेंगे नहीं और सियासी घमासान में पुराना पैंतरा आजमाने से हिचक नहीं सकते। राज्य में शांति बहाली की प्राथमिकता को स्वीकारते हुए केंद्र को भीतरघात के प्रति चौकन्ना रहने के प्रति खास तवज्जो देनी होगी।

(आरएनएस)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

इज्तिमा में जुटे हजारों लोग, की अमन व सलामती की दुआएं

भिलाई। दावत-ए-इस्लामी का एक रोज का इज्तिमा 15 फरवरी की शाम सेक्टर-6 जामा मस्जिद में हुआ। इस दौरान अहले सुन्नत वल जमाअत के उलेमाओ ने अपनी तकरीर में पैगम्बर हजरत मुहम्मद सलल्लाहो अलैहि वसल्लम के बताए रास्ते पर अमल करने और जिंदगी बसर करने की तालीम दी। उलेमाओं ने पैगम्बर मुहम्मद के अमन व भाईचारे के पैगाम को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की भी बात कही। इस इज्तिमा में 2000 से ज्यादा लोगों ने अपनी भागीदारी दी और जिक्र-अजकार के बाद दुआओं में शामिल हुए। आखिर में मुल्क में अमन व सलामती की दुआएं की गई। सेक्टर-6 जामा मस्जिद के इमाम इकबाल अंजुम हैदर, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग व अरकीन ए कमेटी, दावते इस्लामी के कार्यकर्ता मुहम्मद यूसुफ अत्तारी, इज्जत अली, मिस्बाहुद्दीन, साहिल, नासिर, मुनव्वर सईद, रफीक और एजाज सहित अनेक लोगों की इस इज्तिमा को सफल बनाने में भागीदारी रही।

लीनेस क्लब भिलाई ने बेसहारा लोगों के साथ बांटी खुशियां

भिलाई। लीनेस क्लब भिलाई ने अपनी गतिविधियों के अंतर्गत 14 फरवरी को सेक्टर-3 पुराना बीएसपी स्कूल स्थित फील परमार्थ फाउंडेशन में रह रहे बेसहारा लोगों के साथ वक्त बिताया। इन बुजुर्गों के साथ मातृ-पितृ दिवस के मौके पर सभी का आशीर्वाद लिया और सभी के बीच नाश्ता, फल व मिठाई का वितरण किया। इनमें ज्यादातर बुजुर्ग अशक्त हो चुके हैं। लीनेस क्लब की सदस्यों को अपने बीच पाकर इन बुजुर्गों आभार जताया। लीनेस डॉ. मंजु तिवारी ने वहां पर नाश्ता, फल और मिठाई के शौकीनों के चेहरे पर एक मुस्कान ला दी। आयोजन को सफल बनाने में मंजू तिवारी, राजश्री जैन, माला पोपली, लता गायकवाड़, नीता गुप्ता, सुषमा गुप्ता, देवयानी चंद्राकर, नीता उज्वला और मनमोहन कौर सहित अन्य लोगों सहयोग रहा।

नाली में सोने चांदी के टुकड़े बीनने वाली को मिला मकान

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क. 34 शिवपारा दुर्ग में निवासरत गुरबारीन उइके पति स्व. राजकुमार उइके अनुसूचित जाति समूह से ताल्लुक रखती हूँ। मैं अपने परिवार सहित सराफ़ बाजार व आस पास के क्षेत्र में नाली साफकर सोना तथा चाँदी इत्यादि धातु बिनने का कार्य करती हूँ।विगत 40-50 साल से इस स्थान पर कच्चे मकान में मैं निवासरत थी। टूटे-फूटे पानी चूहते हुए बिना शौचालय के जैसे-तैसे इतने वर्ष हमने गुजार दिए। इस प्रकार मेरा मकान बनकर तैयार हो गया। मैं सपने में भी नही सोची थी कि मेरा भी मकान पक्का, चमकदार और शानदार होगा। जिसमें मैं निवास करूँगा। आज मैं अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी अपने मकान में निवासरत हूँ। मैं राज्य और केन्द्र सरकार की बहुत आभारी हूँ जिन्होने मुझे मकान बनवाने हेतु योगदान दिया।आज मुझे रोटी, कपडा और मकान तीनो मिल गए है और मैं बहुत ही संतुष्ट हुँ। मेरे पति के द्वारा आवेदन करने के कुछ समय पश्चात उनकी मृत्यु हो जाने पर मेरे द्वारा पुन: आवेदन किया गया।

सेल कांट्रेक्टर एसोसिएशन में सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी, प्रेसीडेंट बने कादर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन की आमसभा सोमवार की सुबह भिलाई निवास कॉफी हाउस में हुई। इस दौरान एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुन ली गई। जिसमें नए प्रेसीडेंट के तौर के. ए. अब्दुल कादर को फिर से जवाबदारी दी गई। आमसभा में सेल-भिलाई स्टील प्लांट से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान ठेका पद्धति से जुड़ी मैनेजमेंट की नीतियों पर कांट्रेक्टर ने रोष जताया और आरोप लगाया कि छोटे-छोटे कांट्रेक्ट खत्म कर बड़े कांट्रेक्ट दिए जा रहे हैं, इससे भविष्य में छोटे कांट्रेक्टर के सामने काम का संकट आ जाएगा।

सुबह शुरू हुई आमसभा में कोरम पूरा होने के बाद नई कार्यकारिणी के लिए चुनाव की कार्यवाही शुरू की गई। जिसमें सर्वसम्मति से उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न पदों के लिए जवाबदारी दी। नए प्रेसिडेंट के . ए. अब्दुल कादर बनाए गए। वहीं कार्यकारी प्रेसीडेंट जगन्नाथ मुखर्जी, महासचिव सीके मोहन, कोषाध्यक्ष के. तुलसीधरन पिल्लई, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट वी.एस. त्रिपाठी, वाइस प्रेसीडेंट के. ए. अंसार,आरएस कुरुप, उपमहासचिव संजय गुप्ता, एनपी मिश्रा एजाज खान और मनीष शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य ऋषभ पाल, अजय श्रीवास्तव, आर. यादव, किशोर, के. विजय कुमार, संतोष किरोडकर, मोहन, बीएमएस जयेश, आसिफ खान, सरफराज, सिग्मा, जुल्फिकार अली और के. थंगराज शामिल किए गए हैं।

सर्वसम्मति से निर्वाचित पदाधिकारियों ने एसोसिएशन के सदस्यों के प्रति आभार जताया और कांट्रेक्टर के हित में सक्रिय रहने का भरोसा दिलाया। बैठक में सेल-भिलाई स्टील प्लांट से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सदस्यों का कहना था कि जिस तरह छोटे-छोटे ठेके खत्म कर बड़े पैकेज बनाए जा रहे हैं, इससे छोटे ठेकेदारों के सामने रोजी-रोजी का संकट आ जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि बीएसपी मैनेजमेंट इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। इससे सभी कांट्रेक्टर का काम प्रभावित हो रहा है। पदाधिकारियों ने बताया कि ईडी (वर्क्स) और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) विभाग से तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए एसोसिएशन ने समय मांगा है। पदाधिकारियों ने कहा कि मैनेजमेंट अगर तमाम मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक रुख अपनाते हुए चर्चा के लिए जल्द समय नहीं देता है तो ठेकेदारों के समक्ष काम बंद करने की सिवा कोई चारा नहीं होगा। पदाधिकारियों ने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत मांगी गई सूचना पर भी मैनेजमेंट हीला हवाला कर रहा है और केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। जिससे निकट भविष्य में एसोसिएशन को माननीय न्यायालय का रुख करना पड़ सकता है। बैठक में पदाधिकारियों ने लॉटरी से खोली जा रही निविदा का विरोध किया। सदस्यों का कहना था कि लॉटरी सिस्टम में सभी को कम नहीं मिल रहा। इसमें कुछ ठेकेदारों को तो काम मिल जाता है लेकिन बहुत से ठेकेदार बगैर काम के खाली बैठे रह जाते हैं। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ)

कार्यालय से नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनडीसी) हासिल करने में देरी हो रही है, इससे अंतिम भुगतान में भी विलंब हो रहा है। सदस्यों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा विभाग द्वारा सुरक्षा जांच के बहाने बिना किसी सूचना के मनमाने ढंग से जुर्माना लगाया जा रहा है वही ईएसआईसी अस्पताल होने के बावजूद ठेका मजदूरों की जांच निजी संस्थाओं के माध्यम से मनमानी दरों पर करवाई जा रही है जिसका आर्थिक भार अंतत: ठेकेदारों पर पड़ रहा है। सदस्यों ने कहा कि मैनेजमेंट छोटे वर्क आर्डर को समाप्त कर उन्हें बड़ी निविदाओं में परिवर्तित कर रहा है वर्तमान में 500 ठेकेदार विभिन्न वर्गों से नियम के तहत पंजीकृत है और बीएसपी मैनेजमेंट उन्हें लिए काम प्रदान करने में विफल साबित हो रहा है, इससे इन छोटे ठेकेदार के सामने रोजी-रोटी का संकट आ गया है। एसोसिएशन में इन सभी मुद्दों पर लंबी चर्चा हुई और तय किया गया कि मैनेजमेंट में ईडी और सीजीएम स्तर के अधिकारियों से सीधी बातचीत की जाएगी। यदि मैनेजमेंट इन मुद्दों पर चर्चा कर समाधान नहीं निकालता है तो निकट भविष्य में काम बंद करने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। बैठक में जगन्नाथ मुखर्जी,संजय गुप्ता,एनपी मिश्रा,के.टी. पिल्लै,ऋषभ पाल,हिमांशु, आर.ए. सिंह, मनीराम, सैयद अख्तर अली, मेराज अली, अनिल मेनन, ब्रिजेश सिंह, भास्कर राव, वनैया, राम सुन्दर मेहता, सरफराज,जे. फर्नांडीज, चोमन साहू, जी. मनोहरन नायर, राजू चौरसिया, गणेश सिंह, आसिफखान, खुशबुद्दीन, राजेश कुमार सचदेव, संतोष गिराडकर, केए अब्दुल कादर, सी.के मोहन, मनीष कुमार शर्मा, के. थंगराजन, के.ए. अंसार ,सिग्मा एंटरप्राइजेज, अजय, श्री सचारिया, नवीन, रामायण सिंह, चौवा राम साहू, विद्या सागर त्रिपाठी और मोहम्मद जुल्फिकार अली सहित अन्य सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सिलाई सेंटर कुटेश्वर माइंस में प्रशिक्षुओं को किया प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग अपने सभी माइंस के आसपास परिधि क्षेत्रों के विकास को लेकर विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन करता रहा है। इसी कड़ी में भारत सरकार के "कौशल भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत, कटनी के गैर सरकारी संगठन "जन शिक्षण संस्थान" द्वारा, भिलाई इस्पात संयंत्र के कुटेश्वर माइंस स्थित सिलाई सेंटर में 16 फरवरी 2025 को प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुटेश्वर माइंस के महाप्रबंधक (मैकेनिकल) वी के नेताम ने की।

समारोह में श्रीमती निर्मला नेताम और कुटेश्वर महिला समिति की अन्य पदाधिकारियों ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया।

इस अवसर पर 45 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को महिला समिति कुटेश्वर माइंस द्वारा सिलाई सेंटर मे संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महिला समिति की पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

इस वर्ष से, प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्यूटीशियन का अतिरिक्त कोर्स भी शामिल किया जाएगा। यह नया कोर्स महिलाओं को ब्यूटी और सैलून सेवाओं में कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा, जिससे उन्हें रोजगार के और अधिक अवसर प्राप्त होंगे और वे आत्मनिर्भर बन कर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रशिक्षुओं और महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया गया और इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्य, प्रशिक्षक और अन्य लोग भी मौजूद थे। यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि कुटेश्वर क्षेत्र की विकासशील संभावनाओं को भी उजागर करने का सशक्त उदाहरण है।

यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधियों के तहत आयोजित किया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संयंत्र तथा अपने सभी माइंस के आसपास के स्थानीय समुदायों के उत्थान के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसमें महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इस सिलाई सेंटर का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है।

भिलाई नगर निगम में बनाया जा रहा है पेवर ब्लॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र का सीएनडी वेस्ट का उपयोग करने के लिए पेवर ब्लैक बनाया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 6 प्रियदर्शनी परिसर में विध्वंस कचरा जिसमें निर्माण कचरे में सीमेंट का चूरा, ईटा, गिट्टी राहत है। उसमें कुछ सीमेंट और बालू मिला करके पेवर ब्लॉक बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिस प्लांट की क्षमता 6 टन है। प्रतिदिन, 400 से 500 पेवर ब्लॉक बनेंगे।

स्वसहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करके, उन्हें मशीन उपलब्ध कराया गया है। जिसके माध्यम से वे पेवर ब्लॉक बना रही हैं। यह पेवर ब्लॉक नगर निगम भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का कहना है, कि हमारे निगम में सभी क्षेत्रों में पेवर ब्लॉक की आवश्यकता पड़ती है। अब हम सब लोग जितना भी उत्पादन होगा उसको नियमानुसार समूह से खरीद करके उसका उपयोग निगम के विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। इससे स्वासहायता समूह की महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। निगम भिलाई को सस्ते द पर जाएगा मिल जाएगा । शासन की भी योजना है कि पुराने मकान के टूटे हुए जो मालवे आते हैं उसके डिस्पोजल एक बड़ी समस्या बनते जा रही है । इसीलिए स्व सहायता समूह के माध्यम से इसको बनवाया जा रहा है। पेवर ब्लॉक गुणवत्ता युक्त है। उसमें किस प्रकार की कमी नहीं है ।स्वसहायता समूह की महिलाओं को ट्रेनिंग दिया गया था। इसी अनुभव से सब लोग बना रही हैं।

मोहम्मद इरफान खान बने गौसिया मस्जिद कमेटी के नए सदर

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने दिया सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के द्वारा गौसिया मस्जिद के (सदर) अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया। जिसमें कैम्प 1 से इरफान खान साहब को निर्विरोध चुना गया जिसको छत्तीसगढ़ राज्य वर्फ़ बोर्ड के चेयरमैन राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ सलीम राज द्वारा सार्टिफिक्रेट देकर निर्वाचित घोषित किया गया

ज्ञात हो कि गौसिया मस्ज़िद कैम्प 1 की कमेटी का कार्यकाल 12 फरवरी को समाप्त होने के कारण नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए वक्फबोर्ड के द्वारा 6 फरवरी 2025 को एक अधिसूचना जारी कर 23 फरवरी 2025 को चुनाव करवाने हेतु 10 सदस्यीय एक चुनाव समिति का गठन किया गया। चुनाव समिति के सदस्यों ने वक्फबोर्ड के द्वारा दिए गए निर्देश पर वोटर लिस्ट एवं मस्ज़िद क्षेत्र में आने वाले वार्डो का परिसीमन कर 15 फरवरी 2025 को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन फार्म देने की प्रक्रिया की गई एवं 17 फरवरी को नामांकन वापसी की समय सीमा निर्धारित की गई।

गौसिया मस्ज़िद कमेटी के मुतवल्ली के लिए 3 व्यक्तियों द्वारा नामांकन पत्र लेकर 20 हजार रुपए की नामांकन राशि के साथ नामांकन फार्म 16 फरवरी को जमा किया गया जिसमें एक उम्मीदवार के द्वारा शपथ पत्र को सत्यापित न करवाने एवं वोटर आईडी में नाम गलत होने की दशा में चुनाव समिति द्वारा नामांकन फार्म रिजेक्ट कर दिया गया और अन्य 2 उम्मीदवारों में से एक उम्मीदवार के द्वारा एक अन्य उम्मीदवार मोहम्मद इरफान खान के समर्थन में अपना नामांकन फार्म वापस ले लिया। किसी भी उम्मीदवार के चुनाव में प्रतिद्वंद्वी ना होने के कारण चुनाव समिति के द्वारा वक्फ़ बोर्ड के सदस्य और दुर्ग जिला प्रभारी की मौजूदगी में मोहम्मद इरफान खान को गौसिया मस्ज़िद कैम्प 1 की कमेटी का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया।

सदर का सर्टिफिक्रेट लेने के लिए मोहम्मद इरफान खान अपने काफ्रिले के साथ वक्फ बोर्ड कार्यालय रायपुर पहुंचे जहां वक्फ़बोर्ड के चैयरमैन जनाब डाक्टर सलीम राज एवं वक्फ बोर्ड के अन्य सदस्यों ने माला पहनाकर और सर्टिफिक्रेट देकर मोहम्मद इरफान खान को गौसिया मस्ज़िद कमेटी का नया सदरमुतवल्ली घोषित किया और मुबारकबाद दी। मोहम्मद इरफान खान के साथ वक्फ़ बोर्ड जाने वाले और उनका गौसिया मस्ज़िद के आस पास नए सदर का इस्तक़बाल करने वालों में उनके समर्थकों में प्रमुख रूप से पूर्व कैप्टन जनाब जमाल सिद्दीकी, ए.आर.सिद्दीकी, नज़रुल खान, एजाजुल खान, जमालुद्दीन अंसारी, सलामुद्दीन शाह, मोहम्मद कैफ़ मोहम्मद जुनेद, रिजवान खान, इम्तियाज़ खान,तुफैल अहमद,समर अली सोहेल खान,खुर्शीद आलम, महफूज़ खान, फ़िरोज खान,पप्पू खान, मुख्तार अंसारी, समर अली, अतहर भाई, बरकत भाई , एनकेडी ग्रुप, रहमानिया कमेटी, एचडी ग्रुप के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित हुए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अग्रवाल संगठन का निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह 1 मार्च को

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) के द्वारा 1 मार्च को होटल एंट्री पॉइंट में निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न जोड़ों का विवाह संपन्न हो गया और उन्हें उपहार स्वरुप विभिन्न सामग्रियो का भी वितरण विभिन्न संगठनों द्वारा दिए गए समानो को दिया जाएगा।

प्रदेश महिला मीडिया प्रभारी ज्योति अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वर पक्ष को 1 जोड़ी शेरवानी, दो जोड़ी पेंट और शर्ट, दो अंडरवियर, दो बनियान, दो टावेल, दो रुमाल, दो जुराब, एक साफा, एक माला, एक घड़ी और एक जोड़ी जूती या चप्पल।

वधु के लिए कपड़े एवं श्रृंगार का सामान जो उपहार स्वरुप दिया जाएगा उनमें पांच ड्रेस (जिसमें एक विवाह का जोड़ा, दो सलवार सूट, दो साड़ी), दो लहंगा, दो ब्लाउज, दो टावेल, एक श्रृंगार पिटारी, एक मंगलसूत्र, एक गठ जोडा, एक जोड़ी पाजेब, एक जोड़ी बिछिया , एक नाक में पहनने वाली नथ , एक चुनरी , दो वरमाला सेट , चप्पल जोड़ी, बर्तन व अन्य गृहस्थी की सामान, दो चादर, चार तकिया की खोली, स्टील बर्तन 5 डब्बे का सेट, एक परात, एक लोटा, एक कढ़ाई, एक झारा, एक कुकर, दो थाली सेट (एक सेट कटोरी तीन, चम्मच एक, थाली एक गिलास एक), एक स्टील की अलमारी, एक इलेक्ट्रिक आयरन, एक अटैची, एक लेडीज पर्स, एक पानी टंकी (5 लीटर की), एक सीलिंग फैन, एक मिक्सर ग्राइंडर, एक डफ्ल, एक गलीचा , एक डबल बेड का कंबल, दो गद्दा (3 बाई 6) और दो तकिया शामिल है।

भोरमदेव शक्कर कारखाना ने गन्ना किसानों को 44.99 करोड़ का भुगतान

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा ने पेराई सत्र 2024-25 के अंतर्गत अब तक गन्ना किसानों को कुल 44 करोड़ 99 लाख रुपये का भुगतान किया है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे परिपक्व, साफ-सुथरा, बिना अगवा और बिना जड़ वाला गन्ना आपूर्ति करें। इससे शक्कर की रिकवरी दर में वृद्धि होगी, जिससे किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा। अपनी स्थापना से अब तक भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना गन्ना किसानों को समर्थन मूल्य, रिकवरी और बोनस मिलाकर लगभग 1210 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है, जिससे क्षेत्र के किसानों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति को नई दिशा मिली है। कारखाना प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों को प्राथमिकता देना और उनके आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। समय पर भुगतान मिलने से किसानों का कारखाने और शासन-प्रशासन पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में, कारखाने ने अब तक 2.72 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई कर 2.48 लाख क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया है। इस उपलब्धि का श्रेय गन्ना उत्पादक किसानों के सहयोग, उनकी मेहनत और कारखाना प्रबंधन के कुशल संचालन को जाता है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना किसानों से अपील की है कि वे अपने गन्ने की आपूर्ति सीधे शक्कर कारखाने में करें, ताकि उन्हें समय पर उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय भाषा उत्सव का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के तहत कृषि महाविद्यालय, रायपुर में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन एनईपी सारथियों द्वारा किया गया, जो विश्वविद्यालय द्वारा नामित छात्र होते हैं और जिनका मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता फैलाना होता है। भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सभागार में यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी2020) के बहुभाषी शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देने और भारतीय भाषाओं के संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि संजय नय्यर, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रभारी, राजभाषा हिंदी प्रकोष्ठ, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा है उन्होंने भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुए संस्कृत एवं हिंदी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अच्छा साहित्य पढ़ने से वाक्य संरचना और समग्र लेखन क्षमता में सुधार होता है।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि डॉ. गोपी कृष्ण दास, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने अपने संबोधन में कहा कि मातृभाषा में शिक्षा विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत विविध भाषाओं का देश है, जिनमें से प्रत्येक का अपना समृद्ध इतिहास, संस्कृति और पहचान है। भारतीय भाषा का महत्व संचार से परे है, यह विरासत को संरक्षित करने, एकता को बढ़ावा देने और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. दास ने छात्र छात्राओं को हिंदी पुस्तकों के अध्ययन का महत्व बताते हुए क्लास के बाद पुस्तकालय में हिंदी साहित्य का अध्ययन करने को कहा।

कार्यक्रम में 85 से अधिक छात्रों ने भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। ओम अग्रवाल, प्रतीक झा और देहुति ध्रुव सहित अन्य छात्रों ने भारतीय भाषाओं के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) सारथी अनुश्का चौरसिया और अंशु मढ़रिया के नेतृत्व में किया गया, जिसमें टीम के अन्य सदस्यों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में डॉ. एस. बी. वेरुलकर, नोडल अधिकारी एवं डॉ. रामा मोहन सावु, समन्वयक, प्लेसमेंट सेल ने विशेष भूमिका निभाई।

29348 वाहन बेंचकर ऑटो एक्सपो ने बनाया नया रिकार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक राडा द्वारा आयोजित ऑटो एक्सपो ने ऑटोमोबाइल सेक्टर में इतिहास रच दिया है। वाहनों की बिक्री ने एक नया रिकार्ड बना दिया है। इस सफल आयोजन की चर्चा पूरे देश में हो रही है बल्कि कुछ राज्य के डीलर्स तो इसकी खूबियां जानने पहुंचे भी थे और कुछ ने प्लान मांगा है। दरअसल राडा के टीम नेटवर्क ने इसे सफल बनाया जो शुरु से आखिरी दिन तक पूरा समन्वय बनाकर डटे रहे। छत्तीसगढ़ सरकार ने 50 फीसदी का छूट आजीवन रोड टैक्स पर देकर इसे और नई ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया।

इसी वजह से 29348 वाहनों की रिकार्ड बिक्री हो गई जबकि पिछले एक्सपो में केवल 10149 वाहन बिके थे इस लिहाज से देखें तो 19199 वाहन ज्यादा बिके हैं जो 189.17 फीसदी का ग्रोथ दर्शाते हैं। इस बिक्री से आरटीओ टैक्स कलेक्शन भी 119.68 करोड़ पहुंच गया जो कि पिछले एक्सपो में केवल 28.39 करोड़ था। जो कि 321.56 फीसदी का रिकार्ड बढ़त दर्शाता है। अगले एक्सपो में फिर नई प्लान, नई तैयारी, नए वाहन, नई सुविधा, नए-पुराने लोगों के साथ मिलकर और भी व्यापक आयोजन करने का संकल्प लेते हुए राडा मेंबर्स ने समापन दिवस पर केक काटकर आपस में खुशियां सेलिब्रेट किया।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया ने बताया किऑटोमोबाइल सेक्टर में संभवत: देश का पहला ऐसा इवेंट होगा जो लगातार एक माह तक चला है। 100 ऑटोमोबाइल ब्रांड का एक जगह पर मौजूद होना वह भी सारे सेग्मेंट के साथ बड़ी बात है। इसके साथ टायर,ट्यूब, इक्विपमेंट से लेकर फाइनेंस तक की 200 स्टाल ने ऑटो एक्सपो को महाएक्सपो बना दिया था। जब उद्घाटन दिवस पर सीएम विष्णुदेव साय ने पिछले एक्सपो से दुगुना अर्थात 20 हजार से अधिक वाहन बिक्री की उम्मीद हमसे जतायी थी, तब भी हमें पूरा विश्वास था कि ये जरूर होगा और 29348 वाहन बेंचकर उनकी उम्मीद पर खरा उतरने में हम सफल रहे। छत्तीसगढ़ के व्हीकल्स बायर्स का शुक्रिया जिन्होने हमें भरपूर समर्थन दिया। आरटीओ से लेकर अन्य शासकीय विभाग व स्टाल होल्डर्स का भी विशेष सहयोग रहा।

राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी ने बताया कि ऑटो एक्सपो के लिए पूरे एक माह का प्लान हमने तैयार कर रखा था। जिसमें न्यू लांचिंग,स्टेज प्रोग्राम से लेकर अन्य इवेंट शामिल थे। आमंत्रित अतिथियों ने आकर भी हमारा हौसला बढ़ाया। विभिन्न कंपनियों के उच्च अधिकारी भी आए। लगभग 30 नए वाहनों की लांचिंग भी हुई। हालांकि कार व बाइक सबसे ज्यादा बिके क्योंकि आज की ये आम जरूरत है। बाकी सेग्मेंट में भी वाहनों की अच्छी बिक्री हुई कुल मिलाकर 29348 वाहन बिके।

किसी भी सफल आयोजन के पीछे टीम नेटवर्क का होना बहुत जरूरी है और यह ऑटो एक्सपो में भी हुआ। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया, छग चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष व मार्गदर्शक अमर पारवानी, शशांक शाह, श्री काले, अनिल अग्रवाल, मनीषराज सिंघानिया, जयेश पिथालिया, विवेक गर्ग,विवेक मंधान, यशवंत अग्रवाल, ऋषिराज सिंघानिया, सोनू धुप्पड़, रजत छाबड़ा के साथ समस्त सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

ये नहीं कि अब तो समापन हैं, बल्कि आखिरी दिन देर रात तक वाहनों की बिक्री होती रही है और डीलर्स व उनकी टीम से लेकर आरटीओ की टीम उसी उत्साह के साथ डिलीवर करते रहे। फूलों से सजी धजी वाहनों की चाबी बायर्स को सौंपे जाते रहे। अगले आयोजन में फिर मिलने का वादा लेकर सभी ने विदाई ली। इस सफल एक्सपो पर सभी मेंबर्स ने ग्रुप फोटोग्राफी कर यादगार लम्हे को संजोया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य छात्रों में समाज सेवा की भावना विकसित करना : डॉ. कविता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 16 फरवरी 2025 से रावां भाटा स्थित मां बंजारी स्कूल परिसर में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस विशेष शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता कोसरिया के निर्देशन एवं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीमती अनुराधा साहू तथा डॉ. मनोज कुमार शर्मा की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी। शिविर में महाविद्यालय के 25 विद्यार्थी स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ कविता कोसरिया ने बताया की यह शिविर 22 फरवरी 2025 तक चलेगा, जिसमें विभिन्न सामाजिक और विकासात्मक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।डॉक्टर कोसरिया ने बताया की इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण तथा तकनिकी साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करना है। शिविर में महाविद्यालय के स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं ।शिविर की प्रमुख गतिविधियों में स्वच्छता अभियान, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम और व्यक्तिगत संपर्क अभियान शामिल हैं। स्वयंसेवक गांव की सड़कों, तालाबों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर रहे हैं, साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इसके अलावा, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में भी जानकारी प्रदान की जा रही है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य छात्रों में समाज सेवा की भावना विकसित करना और ग्रामीण समुदायों के विकास में योगदान देना है।

रायपुर मंडल में महिलाओं की आत्मरक्षा के लिए पांच दिवसीय सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के दिशा मे सराहनीय प्रयास करते हुए महिलाओं के लिए 'सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण का निशुल्क कार्यक्रम रेलवे सामूदायिक भवन, डबल्यु. आर.एस. कॉलोनी रायपुर मे किया गया जिसमे महिला रेल कर्मियों , रेल कर्मचारियों पर आश्रित महिला सदस्यों तथा भारत स्काउट एवं गाईड की गाईड्स ने प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

पाँच दिन चलने वाले इस प्रशिक्षण मे महिलाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न टिप्स के साथ विभिन्न पैतरों की भी जानकारी प्रदान की गई जिससे वे अपने पास रखे मोबाईल, बॉटल , सेफ्टी पिन के माध्यम से अपना बचाव कर सकती है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल थे। अपने संबोधन मे बजरंग अग्रवाल ने कहा कि सेल्फ डिफेंस आज समय की मांग है इसे शिक्षा मे शामिल कर सभी महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि विषम परिस्थितियों मे अपने बचाव के लिए किसी पर निर्भरता न रहे। कार्यक्रम मे मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल तथा वी.के कांजीवार सहायक सुरक्षा आयुक्त भी उपस्थित थे। श्रीमती निकिता अग्रवाल ने अपने स्वागत एवं परिचयात्मक भाषण में कार्यक्रम से संबधित जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि महिलाओं को हमेशा सजग रह कर समाज को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत् प्रयत्न करते रहना चाहिए, उनहोने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन मे वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग का कुशल मार्गदर्शन मिला जिससे कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सका।

दिलीप कुमार एवं उनकी टीम द्वारा कुल 55 महिलाओं को 'सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण' प्रदान किया गया, दिलीप ने प्रशिक्षित महिलाओं से कहा कि इस प्रशिक्षण को लगातार अभ्यास मे रखना होगा तथा इसका उपयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर ही करना चाहिए । समापन समारोह मे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पैतरों का डेमो भी किया गया। कार्यक्रम के अंत मे प्रशिक्षण मास्टर दिलीप कुमार एवं उनकी टीम को प्रंशसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में भावेश पांडेय सी.ई/आर.वी.एन.एल एवं हेल्पिंग हेन्ड नेटवर्क संस्था का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सचांलन एवं धन्यवाद ज्ञापन फरीदी निसार अहमद मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक द्वारा किया गया।

शकुंतला फाउंडेशन ने बुजुर्गों के साथ मनाया मातृ-पितृ दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा मातृ-पितृ दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में बुजुर्ग उपस्थित रहे, जिनके सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समारोह के दौरान भजन संध्या और मनोरंजन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें अंताक्षरी स्पर्धा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती स्मिता सिंह ने सभी बुजुर्गों को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही, छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानी दुबे परिवार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सोनल राजेश शर्मा, सुषमा बग्गा, डॉ. अनुश्री पाठक, संजना सिंह, रूनाली चक्रवर्ती, पदमा घोष, ओम हेमराजनी, महेश दुबे सहित कई संस्था सदस्य उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ नागरिकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए संस्था के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

विवादों में घिरी एक्ट्रेस अपूर्वा मखीजा को झटका, आईफा से हुईं बाहर

राजस्थान में हो रहे आईफा अवॉर्ड्स से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा को बाहर कर दिया गया है। यह कदम इंडियाज गॉट लेटेंट शो में पेरेंट्स को लेकर की गई उनकी विवादित टिप्पणी के बाद उठाया गया है।

आगामी 20 फरवरी को अपूर्वा मखीजा को उदयपुर में आईफा के ट्रेजर हंट प्री-इवेंट की शूटिंग करनी थी, लेकिन राजपूत करणी सेना ने इसका विरोध किया और चेतावनी दी कि अश्लीलता फैलाने वाले अगर महाराणा प्रताप की धरती पर आये तो उसे जूते मारेंगे और डबोक एयरपोर्ट पर उतरने नहीं देंगे।

करणी सेना के प्रमुख डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने कहा कि धर्म और संस्कृति के खिलाफ काम करने वालों को मेवाड़ की धरती पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर प्रशासन ने नहीं रोका, तो परिणाम गंभीर होंगे। विवाद के बाद आईफा आयोजकों ने अपूर्वा को इस इवेंट के प्रचारकों की सूची से हटा दिया है। अब वह इस आयोजन से पूरी तरह बाहर हो चुकी हैं। हालांकि, ट्रेजर हंट का इवेंट राजस्थान के विभिन्न शहरों जैसे उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, जयपुर, और बीकानेर में जारी रहेगा, जिसमें अली फजल, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे सितारे शामिल होंगे।

आईफा अवॉर्ड्स का मुख्य इवेंट 8-9 मार्च को जयपुर में होगा, जिसमें शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर और कृति सेनन जैसी बड़ी हस्तियां परफॉर्म करेंगी। इस इवेंट के दौरान राजस्थान टूरिज्म पॉलिसी का भी लॉन्च किया जाएगा। इस विवाद में कोटा के वकीलों ने अपूर्वा मखीजा और अन्य के खिलाफ नयापुरा थाने में अश्लीलता फैलाने का मामला दर्ज कराया है।

पहली फिल्म से उड़ाया बॉक्स ऑफिस पर गर्दा, रानी चटर्जी की चर्चित फिल्में

रानी चटर्जी भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। उन्हें परदे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित रहते हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'प्रिया ब्यूटी पार्लर' को लेकर चर्चा में हैं। 14 फरवरी को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें पहली बार रानी एक ब्यूटीशियन का किरदार अदा करती नजर आएंगी। रानी चटर्जी ने भोजपुरी इंडस्ट्री की कई चर्चित फिल्मों में काम किया है।

ससुरा बड़ा पैसावाला

अदाकारा रानी चटर्जी को भोजपुरी सिनेमा में काम करते हुए 21 साल पूरे हो गए हैं। रानी ने फिल्म 'ससुरा बड़ा पैसावाला' से वर्ष 2003 में अपना अभिनय सफर शुरू किया। यह फिल्म इतनी हिट रही कि रानी डेब्यू फिल्म के साथ ही रातों रात सुपरस्टार बन गईं। रानी चटर्जी अपनी डेब्यू फिल्म में मनोज तिवारी के साथ दिखाई दीं। 'ससुरा बड़ा पैसावाला' ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया था।

इन चर्चित फिल्मों में आ चुकी हैं नजर

इसके अलावा रानी चटर्जी 'बंधन टूटे ना', 'दामाद जी', 'दिलजले', 'फूल बनल अंगाल' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इनकी चर्चित फिल्मों के नाम हैं- 'इंस्पेक्टर चांदनी', 'रानी चली ससुराल', 'लेडी डॉन', 'सुपर दीदी' और 'पिया परदेसी'। रानी चटर्जी भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। सोशल मीडिया पर भी इनकी जबर्दस्त लोकप्रियता है। इन्हें करीब दो मिलियन से अधिक लोग फॉलो करते हैं।

मिल चुके हैं कई सम्मान

रानी चटर्जी को अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। पहली ही फिल्म 'ससुरा बड़ा पैसावाला' के लिए रानी को कई अवॉर्ड मिले। इसके लिए रानी को पांच भोजपुरी फिल्म अवॉर्ड और तीन इंटरनेशनल भोजपुरी फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। फिर फिल्म 'देवरा बड़ा सतावेला' के लिए उन्हें साल 2010 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार पहली बार मिला। साल 2013 में रानी को फिल्म 'नागिन' में अपनी भूमिका के लिए बेस्ट एक्ट्रेस ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया।

मुस्लिम परिवार में हुआ जन्म

सिनेमा की दुनिया में रानी चटर्जी के नाम से मशहूर अभिनेत्री का असली नाम सबीहा शेख है। उनका जन्म 3 नवंबर 1979 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ। उनकी परवरिश मुंबई में हुई है। रानी चटर्जी ने भोजपुरी सिनेमा में करियर शुरू किया और वहां का चर्चित चेहरा हैं। मगर, इन्होंने पंजाबी इंडस्ट्री में भी काम किया है। पंजाबी फिल्म 'आसरा' में रानी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा रानी वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

ट्विस्ट और टर्न से भरी होगी पवन कल्याण की फिल्म

निधि ने कहा- दर्शकों के लिए होंगे कई सरप्राइज

पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' के निर्माताओं ने इसके दूसरे सिंगल सॉन्ग 'कोलागोट्टीनाधीरो' के बारे में खुलासा किया है। पवन कल्याण और मुख्य अभिनेत्री निधि अग्रवाल पर आधारित यह रोमांटिक गाना 24 फरवरी को रिलीज होगा। हाल ही में अभिनेत्री ने पवन कल्याण के फैंस के साथ एक एक्स स्पेस साझा किया। जहां उन्होंने फिल्म के बारे में काफी दिलचस्प जानकारी दी। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

ट्विस्ट और टर्न से भरी होगी फिल्म

अभिनेत्री ने फिल्म के बारे में कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने कहा, आपने टीजर में जो देखा है, वह फिल्म का एक छोटा सा हिस्सा है। दर्शकों के लिए कई सरप्राइज हैं। हमने ज्यादा कुछ नहीं बताया है। 'हरि हर वीरा मल्लू' ट्विस्ट और टर्न के साथ धमाकेदार होगी। कहानी बहुत तेज होगी। औरंगजेब का ट्रैक सिर्फ एक हिस्सा है, लेकिन पूरी फिल्म उस बारे में नहीं है।

'हरि हर वीरा मल्लू' मेरी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म- निधि

अभिनेत्री ने 'हरि हर वीरा मल्लू' को अपने करियर की सबसे अच्छी फिल्म बताई है। उन्होंने कहा, मेरी भूमिका बहुत प्रमुख है। यह सिर्फ एक डांसर होने तक सीमित नहीं है। आपने अभी जो पोस्टर देखा है, वह शूटिंग के पहले दिन का है। पंचमी मेरी सबसे अच्छी भूमिका है और 'हरि हर वीरा मल्लू' मेरी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है। मैं पवन कल्याण गरु की सहजता से दंग हूं। उन्हें एक सीन की तैयारी में सिर्फ तीन मिनट लगते हैं। 'कोलागोट्टीनाधीरो' एक डांस नंबर है, जिसे भव्य रूप से डिजाइन किए गए सेट पर फिल्माया गया है।

फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है

अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म की शूटिंग पूरी होने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि फिल्म का कंटेंट शानदार है और यह सभी को पसंद आएगी। उन्होंने कहा कि फिल्म में बहुत ज्यादा एक्शन है और इसकी शूटिंग पूरी होने वाली है।

मां दुलारी की साड़ी करीने से सहेजते नजर आए एक्टर अनुपम खेर

पूछा- 'आपके पास कितनी साड़िया हैं माता?'

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इसके अलावा वे अपनी मां दुलारी के साथ भी आए दिन मजेदार वीडियो और फोटोज शेयर करते हैं। एक्टर ने एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे अपनी मां से उनकी साड़ियों के बारे में पूछताछ करते दिख रहे हैं।

मां की नई साड़ी देख पूछा- 'कहां पहनोगी इसे?'

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनकी मां एक साड़ी को हाथ में लिए दिख रही हैं। अनुपम खेर उनसे पूछ रहे हैं, 'किसने दी है साड़ी ये?' दुलारी बताती हैं, 'काका जी के पोते ने दी है'। एक्टर कहते हैं, 'अच्छी है'। इस पर उनकी मां कहती हैं, 'बहुत ही अच्छी है। इस पर फॉल लगवाया है'। अनुपम खेर पूछते हैं कि कहां पहनोगी इसे? तो दुलारी कहती हैं, 'इसे मैं वृंदा के जाऊंगी तब पहनूंगी'। इसके बाद अनुपम खेर अपनी मां से पूछते हैं, 'आपके पास कितनी साड़िया होंगी?' वे बताती हैं, 'दस-बीस'। अनुपम खेर अपने भाई राजू से पूछते हैं, 'माता के पास कितनी साड़िया होंगी?' राजू कहते हैं, '60-70 होंगी'। फिर कहते हैं ये बांट देती हैं।

मां की साड़ी करीने से सहेजी

अनुपम खेर इसके बाद मां की मदद को हाथ बढ़ाते हैं और उनकी साड़ी को करीने से सहेजकर रख देते हैं। इसके बाद मां को गले लगाकर कहते हैं, 'खुश रहो माता'। इस पोस्ट को साझा करते हुए अनुपम खेर ने कैप्शन लिखा है, 'मां... मां की साड़ी... बैकग्राउंड में रीमा भाभी की आवाज... और निक्कर वाले भाईसाहब ! ये है भारत के करोड़ों मिडल क्लास परिवारों के घरों का सीन!! आप सब पहचान रहें हो ना?? एंजॉय करो। और शेयर करो'!!

प्रभास के साथ अगली फिल्म में नजर आएंगे एक्टर

अनुपम खेर के इस वीडियो पर यूजर्स के प्यारे कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी माता मेरी मां जैसी हैं। ईश्वर आपकी माता जी को अच्छी सेहत दे'। एक यूजर ने लिखा, 'दुलारी आंटी का जवाब नहीं'। अनुपम खेर के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्होंने बताया कि वे प्रभास के साथ नजर आएंगे। यह पैन इंडिया फिल्म है। हालांकि, अभी इसका टाइटल तय नहीं हुआ है।

हर दिन किसी भी समय 30 मिनट चलें, मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

रोजाना 30 मिनट चलना एक सरल और प्रभावी एक्सरसाइज है, जिससे आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। यह न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे रोजाना 30 मिनट की सैर आपके शरीर को बदल सकती है और आपको स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

हृदय की सेहत में कर सकता है सुधार

रोजाना 30 मिनट चलने से आपके हृदय की सेहत में सुधार होता है। यह आपकी धमनियों को साफ रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। नियमित रूप से चलने से हृदय रोगों का खतरा कम होता है और आपका हृदय मजबूत बनता है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे शरीर के सभी अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचती रहती है। इसके अलावा यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी सहायक होता है।

वजन घटाने में है सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो रोजाना 30 मिनट चलना एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। यह कैलोरी जलाने का एक आसान तरीका प्रदान करता है, जो बिना किसी विशेष उपकरण या जिम सदस्यता के किया जा सकता है। नियमित रूप से चलने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे चर्बी तेजी से घटती हैं। इसके साथ ही यह भूख पर नियंत्रण रखने और खाने की आदतों को संतुलित करने में भी मदद करता हैं।

तनाव को कम करने में है प्रभावी

चलना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। जब आप चलते हैं तो आपका मस्तिष्क एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज करता है, जो मूड को अच्छा बनाता है और तनाव को कम करता है। इससे मन शांत रहता है और दिमाग तरोताजा महसूस करता है। नियमित रूप से चलने वाले लोग अक्सर अधिक खुश रहते हैं क्योंकि उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और वे अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

हड्डियों और मांसपेशियों को मिल सकती है मजबूती

रोजाना 30 मिनट तक पैदल चलना आपकी हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती को बढ़ाता है। इससे हड्डियां घनी होती जाती हैं, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा कम हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियों का टोनिंग भी बेहतर होता है, जिससे शरीर लचीला बना रहता है। यह आपके शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ संतुलन में भी सुधार करता है, जिससे आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

नींद की गुणवत्ता में हो सकता है सुधार

अगर आपको नींद नहीं आती या नींद पूरी नहीं होती है तो रोजाना पैदल चलना इसमें सुधार ला सकता है। जब आप चलते समय थक जाते तो रात में अच्छी नींद आती है, जिससे आपका दिमाग शांत रहता है और सोते समय आराम मिलता है। अच्छी नींद लेने वाले लोग दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं और उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

मावरा हुसैन के अलावा इन पाकिस्तानी अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड में रखा कदम

मावरा हुसैन की फिल्म 'सनम तेरी कसम' सिनेमाघरों में चल रही है। वह पाकिस्तानी अभिनेत्री हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि वह कौन सी पाकिस्तानी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में काम किया है। 'सनम तेरी कसम' फिल्म री-रिलीज के बाद अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दर्शक फिल्म को पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म में मावरा हुसैन अहम किरदार में हैं। वह पाकिस्तान की अभिनेत्री हैं। उन्होंने 'सनम तेरी कसम' से ही बॉलीवुड में डेब्यू किया है। पाकिस्तान के दूसरे कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने भारत में नाम कमाया है।

सबा कमर

सबा कमर पाकिस्तान की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस में शुमार होती हैं। उन्होंने साल 2017 में आई फिल्म 'हिंदी मीडियम' में काम किया।

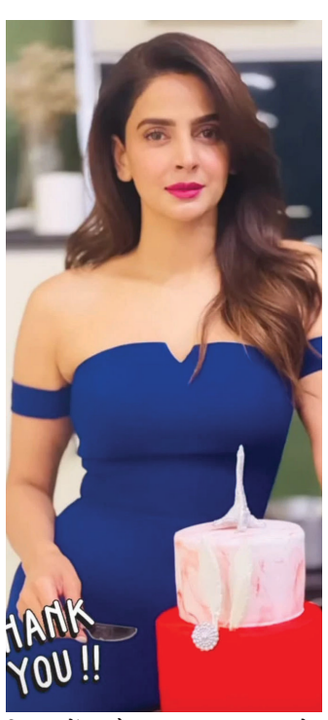

फिल्म में उनके साथ इरफान खान थे। इस फिल्म ने अब तक 322.4 करोड़ रुपये कमाए।

माहिरा खान

माहिरा खान पाकिस्तान में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'रईस' में अभिनय किया है। उनके साथ बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान ने अभिनय किया है। फिल्म ने अब तक 281.44 करोड़ की कमाई की है।

सजल अली

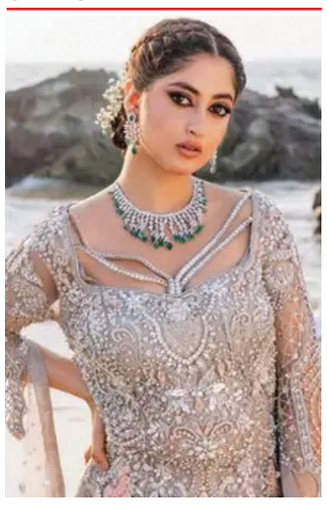

सजल अली पाकिस्तानी अभिनेत्री होने के साथ पाकिस्तानी मॉडल भी हैं। सजल अली ने साल 2017 में 'मॉम' फिल्म में काम किया। इस फिल्म में सजल के साथ बॉलीवुड की दिग्गज कलाकार श्रीदेवी ने अभिनय किया। फिल्म में नवाजुद्दीकी और अक्षय खन्ना भी हैं। फिल्म ने 56.57 करोड़ की कमाई की।

हुमैमा मलिक

हुमैमा मलिक पाकिस्तान में 'बोल' फिल्म से काफी मशहूर हुईं। साल 2014 में हुमैमा मलिक बॉलीवुड की फिल्म 'राजा नटवरलाल' में अभिनय किया। इस फिल्म में उनके साथ इमरान हाश्मी ने काम किया। इस फिल्म ने अब तक 44.67 करोड़ रुपये कमाए।

मावरा हुसैन

मावरा हुसैन ने साल 2011 में पाकिस्तानी सीरियल 'खिचड़ी सालसा' से अपने करियर की शुरूआत की। उन्होंने साल 2016 में फिल्म 'सनम तेरी कसम' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म भारत में दोबारा 7 फरवरी को रिलीज हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दोबारा रिलीज के बाद आठवें दिन 31 करोड़ रुपये की कमाई कर ली।

महानदी की महाआरती में गरियाबंद कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल सपत्निक शामिल हुए

राजिम कुंभ में प्रतिदिन हो रही महानदी की महाआरती

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में जबलपुर से पधारे साध्वी प्रज्ञा भारती के सानिध्य में प्रतिदिन महानदी की महाआरती की जा रही है। इस महाआरती में बड़ी संख्या में साधु-संतों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक शामिल होकर इसके साक्षी बन रहे हैं। रविवार को महाआरती में विशेष कर गरियाबंद कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल सपत्निक शामिल हुए।

मेले में महाआरती की शुरूआत प्रतिदिन शाम 7 बजे 11 पंड़ितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ प्रारंभ होता है। इस दौरान आरती घाट की मनोरम दृश्य देखते बनता है। जबलपुर से पधारे विद्वान पंड़ितों द्वारा इस आरती की विधिरीति अपने आप में विलक्षण है। घाट पर जब आरती के समय शंखनाद होता है तब ऐसा प्रतीत होता है हम स्वयं प्रयागराज और बनारस के पावन तीर्थ पर आरती कर रहे हो। महाआरती का एक साथ प्रज्वलित होना शंख, कपूर, चवर, आचमन पूरे मेला परिसर आरती मंडप को भावविभोर कर देता है। वैसे राजिम कुंभ में आने वाला हर श्रद्धालुओं की एक ही ख्वाहिश रहती है कि वह हर-हाल में महानदी की महाआरती में शामिल होकर उसकी साक्षी बन सकें। महाआरती में शामिल होने प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। राजिम कुंभ कल्प मेला में मनोरंजन के लिए कई तरह के आकर्षण है। वहीं संत समागम परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान होंगे। नदी क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा परमात्मा शिव की प्रदर्शनी व भविष्य में आने वाली नई दुनिया की झलक मूर्तियों के द्वारा दर्शाई गई है। श्री कुलेश्वर महादेव मंदिर के समीप लगे इस प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार को साध्वी प्रज्ञा भारती व धार्मिक प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्मा कुमार नारायण भाई आदि ने फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसी मंडप में शांति अनुभूति मंडप भी लगाया गया। इस अवसर पर ब्रह्मा कुमार नारायण भाई ने बताया कि यह प्रदर्शनी 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक लगे रहेगा। इस प्रदर्शनी में स्वयं की पहचान, परमात्मा की पहचान, त्रिमूर्ति परमात्मा शिव के कर्तव्य, समय की पहचान, आने वाली नई सृष्टि कैसी होगी, देवी-देवताओं का रास मंडल और विशेष राजयोग शांति मंडप बनाए गए है। जिससे भटके हुए मानव को अनेक अशांत आत्माओं को ही स्वत आत्मा बौद्ध होने लगता है। यह मंडप पूरे मेले का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसे देखने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। यह प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक दिखाई जा रही है।

राजिम कुंभ कल्प मेला के मुख्य मंच पर स्टार नाईट अनुराग शर्मा की होगी प्रस्तुति

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के मुख्य मंच पर 18 फरवरी को स्टार नाईट अनुराग शर्मा की प्रस्तुति होगी। इसी मंच पर देवेंद्र कुमार देशमुख लोकमंच की प्रस्तुति देंगे। इसी तरह चुम्मन प्रसाद दर्शेना मानस गान की प्रस्तुति देंगे। इसी तरह 12 बजे से स्थानीय मंच पर हीरा बाई चक्रधारी सुआ नृत्य, चिरंजीवी हलधर कत्थक ग्रुप, कन्हैयालाल व्यास पंडवानी, रमादत्त जोशी लोकगीतों की छटा बिखेंगे। नाथूराम साहू द्वारा मानस गायन, रामावतार चंद्राकर लोक मंच, लखनलाल धिवडोंडे सतनाम भजन, मकसुदन राम साहू गीत संगीत, हेमंत साहू जगराता ग्रुप, ममता अहार नृत्य नाटिका, रेणुका देवी भजन कीर्तन और रोशन कुमार साहू द्वारा लोक मंच की प्रस्तुति होगी।

रेत से भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग बनाकर माता सीता ने की थी पूजा अर्चना

राजिम। छत्तीसगढ़ की तीर्थ नगरी राजिम में तीन नदियों पैरी, सोढूर और महानदी के संगम होने के कारण इसे छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहा जाता है। त्रिवेणी संगम के मध्य में भगवान भोलेनाथ का विशाल मंदिर स्थित है, जो श्री कुलेश्वनाथ महादेव के नाम से ख्याति प्राप्त है। किवदंती के अनुसार वनवास काल के दौरान भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता के साथ यहीं पर स्थित लोमष ऋषि के आश्रम में कुछ दिन गुजारे थे। उसी दौरान माता सीता ने नदी की रेत से भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग बनाकर पूजा अर्चना की थी। तभी से इस शिवलिंग को कुलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। इस खुरदुरे शिवलिंग को माता सीता ने अपने हाथों से बनाया था, जिसके निशान होने की बात जनमानस में प्रचलित है। वर्तमान में यह शिवलिंग क्षरण के कारण अपना मूल स्वरूप शनैः शनै खोता जा रहा है, इसलिए शिवलिंग की सुरक्षा के लिए उपाय किए गए है, ताकि शिव भक्तों द्वारा पूजा अर्चना में उपयोग किए जाने वाले वस्तुओं से शिवलिंग की सुरक्षा की जा सकें। भगवान श्री कुलेश्वनाथ को लेकर मान्यता है कि बरसात के दिनों में कितनी भी बाढ़ आ जाए। यह मंदिर डूबता नहीं है। कहा जाता है बाढ़ से घिर जाने के बाद नदी के दूसरे किनारे पर बने मामा-भांचा मंदिर को गुहार लगाते हैं कि मामा मैं डूब रहा हूं मुझे बचा लो। तब बाढ़ का पानी कुलेश्वरनाथ महादेव के चरण पखारने के बाद स्वतः कम होने लगाता है। आज भी इस मान्यता को क्षेत्र के लोग श्रद्धा से स्वीकारते हैं।

कहा तो यह भी जाता है कि राजिम के स्वर्ण तीर्थ घाट के समीप बने संत कवि स्व. पवन दीवान के आश्रम में स्थित प्राचीन सोमेश्वर महादेव का मंदिर जिसमें एक गुफा भी है जिसमें काली माता की मूर्ति विराजमान है। इस मंदिर से एक सुरंग, सीधे कुलेश्वरनाथ मंदिर तक पहुंचती है। संभवत बरसात के दिनों में पुजारी इसी सुरंग से होकर भगवान कुलेश्वर नाथ की पूजा अर्चना के लिए जाया करते होंगे। वर्तमान में ये सुरंग पूरी तरह से बंद हो चुका है।

पर्व स्नान के लिए त्रिवेणी संगम का है विशेष महत्व, प्रशासन द्वारा बनाए गए है विभिन्न कुंड

राजिम। विभिन्न पर्वों में स्नान के लिए त्रिवेणी संगम का अलग ही महत्व है। मान्यता है कि पर्वों पर नदी में स्नान से व्यक्ति के जीवन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। संगम में स्नान करने से स्नान और अधिक पुण्यकारी और फलदायी बन जाता हैं।

इसके लिए राजिम कल्प कुंभ के दौरान आने वाले वाले पर्व स्नान एवं शाही स्नान के लिए कुण्ड का निर्माण किया गया है। आगामी 21 फरवरी को जानकी जयंती और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होने वाले पर्व स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। प्रशासन द्वारा संत समागम स्थल, नेहरू घाट के पास स्नान कुंड बनाया गया है। कुंड के पास आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ के जवानों को तैनात किया गया है, ताकि स्नान के दौरान होने वाली अनहोनी को टाला जा सके।

कुंड के पास ही महिलाओं की सुविधा के लिए अस्थाई चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। जिससे महिलाओ को स्नान के बाद कपड़े बदलने में असहजता महसूस न हो। कुण्ड में हमेशा साफ सुथरा पानी रहे इसके लिए आवश्यकतानुसार पानी छोड़ा गया है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालु स्नान के लिए भारी संख्या में उमड़ पड़ते है। लगातार बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए इस बार एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु पर्व स्नान के लिए राजिम आ सकते है ऐसी संभावनाओं को देखते हुए तैयारियां की गई है।

राजिम कुंभ कल्प में रविवार को मीना बाजार रहा गुलजार

लोगों की जबरदस्त भीड़, देर रात तक लोगों ने उठाया लुत्फ

राजिम। धर्म नगरी राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी तक राजिम कुंभ कल्प मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला में प्रतिदिन लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। मेला के पाँचवे दिन रविवार होने के कारण कुंभ मेला के नवीन मेला मैदान में लगे मीना बाजार में भी लोगों की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। मीना बाजार में घरेलू जरूरत के सामानों के स्टॉलों के साथ मनोरंजन के भरपूर साधन है। यहां खासकर युवक-युवतियों, महिलाओं की भीड़ ज्यादा देखने को मिली। मेले में खरीदारी के साथ-साथ लोगों ने झूले जिसमें स्क्रीन टावर, सुनामी, हथौड़ा, जलपरी, इंटरनेशनल एसी फिश टनल, रोबोटिक एनिमल शो, जाईंट फ्रीसबी, ब्रेकडांस, टोरा-टोरा, आकाश झूला, मौत-कुआं जैसे अनेक मनोरंजन के साधनों का भी लुत्फउठाया।

मीना बाजार में युवतियां, महिलाओं के लिए सौन्दर्य की सामग्री बिक रही है, जिसमें कॉस्मेटिक, चूड़ी, कंगन, बिंदी, हार, झुमके, पायल की खरीददारी कर रही है। वहीं आइसक्रीम, भेल, गुपचुप, चाउमिन, मोमोज, पकौड़े का भी जमकर आनंद उठाया। मीना बाजार में एनीमेशन झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। राजिम में चारों तरफखुशियों का मेला लगा हुआ है जिसमें चारों दिशाओं से लोग पहुँच रहे है।

जलपरी, स्क्रीन टावर, सुनामी, हाथौड़ा झूला ने बढ़ाई मीना बाजार की रौनकता

नवीन मेला मैदान में लगा फूड जोन

मेला क्षेत्र में सैकड़ों दुकानें भी बनाई गई हैं। जिसमें खान-पान के लिए अलग से फूड जोन बनाया गया है। जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजन, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुर्मी, नमकीन, चीला, फरा, पकौड़ा, अरसा आदि गढ़ कलेवा में मिल रहा है, जहां लोग बड़े चाव से इसका स्वाद ले रहे हैं। इसके अलावा श्रृंगार सामग्री, खेल सामग्री और तरह-तरह के घरेलू जरूरत के समानों के स्टॉलों पर अच्छी भीड़ जुट रही है। लोगों ने मसाला, कास्मेटिक, रेडीमेड कपड़े, खिलौने सहित रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की जमकर खरीदारी की।

कुंभ में पहुंचे श्रद्धालु बच्चों का करा रहे मुंडन संस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के पांचवे दिन भगवान कुलेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुगण अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराने अधिक संख्या में पहुंचे। चूंकि राजिम में त्रिवेणी संगम और हरी-हर की पवित्र नगरी होने के कारण यहां बारह महिने धार्मिक कार्य होते रहते है। अपने बच्चे की मंगल कामना के साथ ही राजिम कुंभ में मुंडन संस्कार कराना अपना सौभाग्य मानते है। राजिम में आने वाले मेलार्थी अपने बच्चो का मुंडन संस्कार करा रहे है। भारतीय संस्कृति में बच्चों का मुंडन संस्कार करने का धार्मिक विधान है। मंदिर के पास बैठे भरत सेन ने बताया कि जब से मेला शुरू हुआ है तब से अभी तक दर्जन भर से अधिक श्रद्धालु यहां आकर मुंडन संस्कार

करा चुके है। भारतीय संस्कृति में 16 संस्कार होते है, जिनमे से एक संस्कार मुंडन संस्कार है।

छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहे जाने वाले राजिम के कण कण में भगवान का वास है। जिनकी कृपा से प्रतिवर्ष राजिम कुंभ सफलता पुर्वक संपन्न होता है। इस प्रयाग नगरी राजिम में अभी कुंभ मेला नवीन स्थल चौबेबांधा मे आयोजित हो रहा है। 12 फरवरीं से प्रारंम्भ यह आयोजन 26 फरवरीं तक चलेगा।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

रायगढ़ में पुल से नीचे गिरी कार सभी लोग सुरक्षित

रायगढ़। जिले में इन दिनों सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना कहीं न कहीं होने वाली दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा घरघोड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भेंड्रा पुलिया के पास हुआ। कार रायगढ़ की ओर से आ रही थी और तेज रफ्तार में थी। मोड़ पर कार चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार सीधे पुल से नीचे जा गिरी। गनीमत रही कि इस हादसे में कार सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कार में कितने लोग सवार थे और वे कहां के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई है। यह हादसा जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं के मामलों को उजागर करता है, जहां तेज रफ्तार और लापरवाही से कई अनमोल जिंदगियां खतरे में पड़ रही हैं। पुलिस प्रशासन और स्थानीय नागरिकों को इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाने की जरूरत है ताकि ऐसे हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

मतदान ड्यूटी में शराब पीकर पहुंचा अफसर, ग्रामीणों की शिकायत पर सेक्टर अधिकारी ने किया सस्पेंड

गौरेला पेंड्रा- मरवाही। पंचायत चुनाव के पहले चरण में शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए प्रशासन ने गौरेला विकासखंड के नेवस में मतदान अधिकारी क्रमांक 2 प्रशांत विश्वकर्मा को सस्पेंड कर दिया। प्रशांत विश्वकर्मा मतदान के दौरान ड्यूटी आवर में शराब पिए हुए थे। जब सेक्टर अधिकारी भ्रमण पर थे उसे दौरान प्रशांत विश्वकर्मा को शराब पिया हुआ देखकर एवं ग्रामीणों से मिली शिकायत के बाद उनके द्वारा लापरवाही बरतने की रिपोर्ट उन्होंने तुरंत रिटर्निंग ऑफिसर को दी। रिटर्निंग ऑफिसर ने शासकीय कर्मचारी के इस कृत को जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर के पास लिखित रूप में पहुंचाया, जिसके बाद जिला कलेक्टर ने मामले पर संज्ञान लेते हुए सहायक ग्रेड 3 प्रशांत विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया।

दंतैल हाथी ने ग्रामीण को कुचला, हालत गंभीर

धमतरी। जंगल में जलाऊ लकड़ी लाने गए आदिवासी युवक पर सोमवार दोपहर को हाथी ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। नगरी के सिविल अस्पताल में इलाज कर उसे धमतरी जिला अस्पताल भेज दिया गया। अरसीकंहार वन परिक्षेत्र कक्ष क्रमांक 126 में बुधराम कमार पिता पूसाऊ राम कमार (39 वर्ष) गीतकारमुड़ा अपने साथियों

हरिलाल कमार, चवर सिंह कमार, सुनाराम कमार, लखन लाल कमार के साथ जंगल में जलाऊ लकड़ी लाने के लिए गया था। तभी दोपहर 3 बजे अचानक एक दंतैल हाथी ने हमला कर दिया। हाथी ने सूंड से पूसाऊ राम कमार को उठा कर जमीन पर पटक दिया। हाथी ने पूसाऊ राम को जब उठाया, तब उसकी दांत जांघ में घुस गया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। उसने कुछ दूर भाग कर अपनी जान बचाई। फिर उसे मोटरसाइकिल से घर लाया गया, वहां से कार में नगरी के सिविल अस्पताल लाया गया, जहां पर उनका इलाज किया गया। जांघ में टांके लगाकर स्थिति को देखते हुए धमतरी जिला अस्पताल रेफर किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि जंगल में कई दिनों से एक दंतैल हाथी घूम रहा है।

कार में हूटर और अलग अलग नंबर प्लेट, जशपुर पुलिस की हत्थे चढ़ा शातिर तस्कर, एक क्विंटल गांजा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक ऐसा तस्कर पकड़ाया है जो कि अपनी कार में पुलिस का हूटर लगाकर घूमता था। कार में अलग अलग नंबर प्लेट लगाकर पुलिस को चकमा देता था। पुलिस ने पुख्ता सूचना के आधार पर उसकी गाड़ी रोकी और उसमें से एक क्विंटल गांजा जब्त किया। पुलिस ने आरोपी के पास से फर्जी आधार कार्ड, गाड़ी के कई फर्जी नंबर प्लेट जब्त किया है। आरोपी लैंलूंगा रायगढ़ का रहने वाला है और ओडिशा से गांजा लाकर जशपुर में खपाने की तैयारी कर रहा था। चौकी कोतबा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट, 119(3) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने कार से 40 लाख का गांजा, मारूती ब्रेजा कार क्र. सी.जी. 10 बी.ई. 3848, नंबर प्लेट ओ.डी. 02 बी.जेड. 8971, जे.एच. 02 बी.एच. 5469 आदि जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम बरखुरिया के चैतन उर्फ चैतन्य यादव स्वयं के सफेद रंग की ब्रेजा कार क्रमांक सीजी 10 बीई 3848 में भारी मात्रा में गांजा रखकर वाहन में हूटर लगाकर ओड़िशा की ओर से ग्राम बुलडेगा, राजाआमा होते हुये लुड़ेग की ओर परिवहन करने वाला है। सूचना पर एसएसपी द्वारा एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल एवं चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक राकेश सिंह के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित कर नाकाबंदी कार्रवाई के लिए रवाना किया गया।

पुलिस को देख भागने लगे थे आरोपी

टीम द्वारा राजाआमा के पुलिया के पास तगड़ा नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर के बतायेनुसार वाहन क्रमांक सीजी 10 बीई 3848 का दिखाई दिया। पुलिस को देखकर कार चालक ने दिशा बदल दी। पुलिस ने उसका पीछा किया और घेराबंदी कर पकड़ा। वाहन के चालक को नाम पूछने पर अपना नाम चैतन उर्फ चैतन्य कुमार यादव बताया। वाहन की डिक्की में 02 प्लास्टिक बोरा एवं बीच सीट में 02 प्लास्टिक बोरा मादक पदार्थ गांजा जब्त कर आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया।

ओड़िशा व झारखंड पासिंग नंबर प्लेट जब्त

वाहन में 02 सेट 04 नग ओड़िशा पासिंग का नंबर एवं झारखंड पासिंग का नंबर प्लेट मिलने पर जब्त किया गया, वाहन में हूटर लगा हुआ था जिसे निकाला गया। आरोपी के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड भी जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त मादक पदार्थ गांजा को ओड़िशा से तस्करी करते हुये जशपुर में खपाने के लिए लाना बताया है। आरोपी चैतन उर्फचैतन्य कुमार यादव का कृत्य धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट, 119(3) मोटर व्हीकल एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर उसे 16 फरवरी 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

एक माह में एक करोड़ से ज्यादा का गांजा जब्त

विदित हो कि इसके पूर्व 12 जनवरी 2025 को थाना तपकरा में 02 आरोपियों से 35 लाख रुपए का 01 क्विंटल गांजा एवं 2 फरवरी 2025 को कुनकुरी क्षेत्र में फेरीवाले के रूप में तस्करी कर रहे 2 आरोपियों से 45 लाख रुपए का 01 क्विंटल 26 किलोग्राम गांजा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अब एक बार फिर से एक क्विंटल गांजा जब्त किया गया। इस प्रकार एक माह के भीतर एक करोड़ से ज्यादा का गांजा जब्त किया गया। एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन आघात के तहत इस साल 03 बड़ी गांजा की खेप पकड़कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। जशपुर पुलिस का उद्देष्य गांजा की सप्लाई चेन को पूरी तरह ध्वस्त करना है।

पत्नी ने चरित्र शंका से परेशान होकर अपने पति की कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के मरवाही जिले में एक पत्नी ने चरित्र शंका से परेशान होकर अपने पति की हत्या कर दी। घोरेलाल पुरी (56) अपनी पत्नी वेदकुंवर पुरी (55) को किसी से भी बात करने पर टोका टाकी करता था, चरित्र पर शक करता था जिससे दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना बघर्रा गांव के ललमटियाटोला की है। मरवाही थाना पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात जब पति सो रहा था तभी पत्नी ने टांगिया से उस पर 2 बार हमला कर दिया। हत्या के बाद पत्नी खुद थाने पहुंची और बोली की मैंने अपने पति को मार दिया है।

सोमवार को दोनों पति-पत्नी अपने पड़ोसी धनीराम के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होकर लौटे थे। घर आने के बाद घोरेलाल ने धनीराम के घर आए मेहमानों के साथ वेदकुंवर के संबंधों को लेकर

शक जताया, जिस पर दोनों में तीखी बहस हुई। विवाद के बाद जब घोरेलाल कमरे में सोने चला गया, तब गुस्से में आई वेद कुंवर ने घर में रखी टांगिया से उसके गले पर दो वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी वेद कुंवर सीधे थाने पहुंची और अपना जुर्म कबूल कर लिया।

एडिशनल एसपी ओम चंदेल के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने थाने आकर बताया कि उसने अपने को मार डाला है। मारने का कारण बताते हुए आरोपी बोली कि लगातार चरित्र शंका करते थे, किसी से भी बात करने पर टोका टाकी करते थे, इस बात से व्यथित होकर उसने टांगिया से मार दिया। और मामले की आगे की जांच जारी है। परिवार के अन्य लोगों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

अवैध शराब की तस्करी करने वाला कोचिया हुआ गिरफ्तार

रायगढ़। एसपी दिव्यांग पटेल के दिशा निर्देशन पर थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक रामकिंकर यादव द्वारा क्षेत्र में अवैध जुआ, शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्रिय किए गए मुखबिर तंत्र से मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक रामकिंकर यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम आमापाली लैंलूंगा निवासी परमानंद प्रसाद एक बैग में अवैध प्रतिबंधित नशीली सीरप रखकर लैंलूंगा रोड,घरघोड़ा एनटीपीसी कार्यालय के पास बेचने के लिए किसी का इंतजार कर रहा है।

अमेजॉन के सीनियर मैनेजर ने दो दोस्त के साथ मिलकर किया 5 लाख 50 हजार का गोलमाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। शूरा रिटेल अमेजॉन के सीनियर मैनेजर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कंपनी का 5 लाख 50 हजार रुपये ठगी कर फरार हो गए। ऑफिसर के मैनेजर की शिकायत के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने तीनों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रियापारा में रहने वाले आकाश गुप्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि बड़े रामपुर में स्थित शूरा रिटेल अमेजॉन आफिस में मैनेजर के पद पर पिछले एक वर्ष से काम करते आ रहा है। पीडित ने बताया कि उसके अंडर में 30 डिलीवरी बॉय काम करते हैं, जो रोजाना शाम को पार्सल का पैसा ऑफिस में उसके पास जमा करते हैं। जिसे अगले दिन बैंक में जमा करना होता है। 27 अक्टूबर 2024 को डिलेवरी बॉय सीओडी का पैसा 5 लाख 50 हजार उसके पास जमा किये उसी समय एमाजॉन के सीनियर मैनेजर शिवेन्द्र सिंह उससे बोला कि कल आपको दूसरा काम करना है इस पैसे को शूरा रिटेल के एरिया मैनेजर किशन तिवारी को दे दो। जो कल बैंक में किशन तिवारी व निमेश रजक बैंक में जमा कर देंगे। जिसके बाद आकाश ने दोनों युवकों को बैंक में जमा करने पैसे दे दिया। आकाश ने बताया कि अगले दिन 28 अक्टूबर 2024 को किशन तिवारी एवं निमेश रजक से बैंक में पैसे जमा की रसीद मांग की गई तो उनके द्वारा कहा गया कि उन्होंने सीनियर मैनेजर शिवेन्द्र सिंह को बता दिया है।

आकाश गुप्ता ने बताया कि कल शूरा रिटेल के मालिक मोहित माथुर ने उसे फोन कर बताया कि 27 अक्टूबर 2024 का 5 लाख 50 हजार रूपये बैंक में जमा नहीं हुआ है। जिसके बाद शिवेन्द्र सिह, किशन तिवारी, निमेश रजक के मोबाईल पर संपर्क करने पर उनके द्वारा कोई जवाब नही दिया गया। जिसके बाद ठगी का एहसास होने पर पीडित ने तीनों के खिलाफथाने में रिपोर्ट लिखाई है। बहरहाल सिटी कोतवाली पुलिस ने शूरा रिटेल अमेजॉन आफिस के मैनेजर की रिपोर्ट के बाद शिवेन्द्र सिंह, किशन तिवारी के अलावा निमेश रजक के खिलाफ धारा 318 (1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर पूरे मामले को जांच में ले लिया हैं।

पुलिस की गिरफ्त में आए शातिर जीजा-साली दोनों ने एक जमीन सात लोगों को बेची थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मृति नगर चौकी पुलिस ने एक ही जमीन को अलग-अलग 7 लोगों को फर्जी तरीके से बेचने वाले शातिर जीजा-साली को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने फर्जी तरीके से नाम बदलकर दस्तावेज बनाए और सात लोगों से जमीन का सौदा किया था। इसकी शिकायत होने पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच की। अब जाकर पुलिस ने आरोपी कन्हैय्या शर्मा व उसकी कथित साली के रजनी रत्नम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120 बी के तहत कार्रवाई की गई है।

दरअसल इस मामले में श्रीमती संतोष खण्डूजा नाम की महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। खुर्सीपार निवासी कन्हैय्या लाल ने अपनी डेढ़ सास के. रजनी रत्नम व एक अन्य महिला को साधना देवी बनाकर

योजनाबद्ध तरीके से ग्राम कोहका स्थित जमीन खसरा नं. 3310/06,07 को संतोष खण्डूजा को बेच दिया। बाद में पता चला कि उक्त जमीन को उसने सात अलग-अलग लोगों को बेचा है। इसकी शिकायत पर अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। एसपी जितेन्द्र शुक्ला के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक गुरविन्दर सिंह संधू द्वारा आरक्षक हर्षित शुक्ला, कमल व महिला आरक्षक मीरा वर्मा के साथ टीम गठित की गई।

इसके बाद तथाकथित साधना देवी एवं कन्हैया शर्मा की पता तलाश के लिए खुर्सीपार में दबिश दिया गया। लेकिन आरोपी फरार थे। इसके बाद लगातार इनकी तलाश की जा रही थी। इस बीच तकनीकी जानकारी प्राप्त कर उनके मायके अहिवारा वार्ड 06 थाना नंदिनीनगर में जाकर दबिश दिया। जहां पर कन्हैया लाल व रजनी रत्नम उपस्थित मिलें। जिनसे पूछताछ करने पर दिनांक घटना को जुर्म घटित करना स्वीकार किये जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

बिना बताए बार बार घर से चली जाती भी महिला, गुस्साए पति ने कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल पति इस बात से परेशान था कि उसकी पत्नी बार-बार बिना बताए घर छोड़कर चली थी। इस बार भी लगभग 10 दिन बाहर रहकर वापस लौटी तो पति के साथ विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा किया पति ने बांस के डंडे से मार-मार कर उसे लहूलुहान कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मामला थाना तुमला क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में मृतका के जीजा विलियम लाकड़ा ने शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि रविवार की सुबह उसके साढू प्रताप एक्का का

पिता सुखन एक्का उसके घर कोल्हेंझरिया आए और बताया कि उसकी बहू अलका एक्का बिना बताए कहीं चली गई थी, जो की 10 दिन बाद घर वापस आई है। इसी बात को लेकर प्रताप एक्का व अलका एक्का के मध्य विवाद हो रहा है। प्रताप इक्का के पिता ने उसे समझाने कहा तो उनके साथ विलियम उनके घर पर गया।

लाख समझाने पर भी नहीं समझा आरोपी

गंझिया डीह, फिंगिट पारा पहुंचने पर देखा कि प्रताप एक्का उसकी साली अलका एक्का से मारपीट कर रहा है। इस पर विलियम ने उसे काफी समझाया। उसके पिता ने भी उसे समझाया लेकिन वह नहीं माना। पति-पत्नी का विवाद शांत हो जाएगा यह सोच कर विलियम अपने घर वापस आ गया। इसके बाद देर शाम उसे सूचना मिली कि उसकी साली अलका एक्का की मौत हो गई है। वह फिर प्रताप एक्का के घर पहुंचा तो देखा कि अलका एक्का लहूलुहान हालत में पड़ी है। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया

मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचानामा के बाद शव को पीएम के लिए भेजा। इसके बाद आरोपी प्रताप एक्का को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी के द्वारा बार-बार बिना बताए घर छोड़कर चली जाती थी। इसी गुस्से में आकर बांस के डंडे से मारकर व शरीर को दीवार में पटक-पटक कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी प्रताप एक्का के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर, हत्या में प्रयुक्त बांस के डंडे को जब्त कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। मामले की विवेचना एवं आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी तुमला निरीक्षक कोमल ठाकुर, सहायक उप निरीक्षक अपलेजर खेस, आरक्षक हीरा यादव, सूचित खाखा व महिला आरक्षक सरोजनी खलखो की सराहनीय भूमिका रही है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मार्गदर्शन में तैयार हुआ पायलट प्रोजेक्ट, सीएम साय बोले- डेयरी उद्योग को मिलेगी नई दिशा

राज्य सरकार पशुपालन को बना रही समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उठाए जा रहे ठोस कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कहा कि छत्तीसगढ़ में श्वेत क्रांति की तर्ज पर डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने और किसानों व पशुपालकों की आय दोगुनी करने की दिशा में राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन को लाभकारी व्यवसाय बनाने और प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया गया है, जिसके तहत व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि दिसंबर 2024 में राज्य सरकार और NDDB के बीच हुए समझौते के बाद छत्तीसगढ़ में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अधिकांश आबादी कृषि से जुड़ी है और अतिरिक्त आय के लिए पशुपालन का कार्य भी करती है। पायलट प्रोजेक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार लगभग 5 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 6 जिलों को शामिल किया गया है और सफल क्रियान्वयन के बाद इसे पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डेयरी उद्योग के विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही, प्रदेशवासियों के पोषण स्तर में भी सुधार होगा, जिससे बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव आएगा।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के साथ-साथ, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता में वृद्धि और सरप्लस दूध के उपयोग को लेकर ठोस कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दूध उत्पादन से जुड़े किसानों और पशुपालकों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए ताकि वे आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय को बढ़ा सकें।

प्रतिदिन 58 लाख किलो दूध का उत्पादन

बैठक में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के चेयरमैन मिनिष शाह ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन 58 लाख किलोग्राम दूध का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य दुग्ध संघ की कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन करने के बाद, दुग्ध उत्पादन और मार्केटिंग को बढ़ाने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सहकारी समितियों के माध्यम से पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और मशीनों से दूध की गुणवत्ता जांच और तत्काल भुगतान की सुविधा प्रदान की जाएगी। बायोगैस और बायो-फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना से पशुपालकों की अतिरिक्त आय के स्रोत बढ़ेंगे, जिससे पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहेगा।

छत्तीसगढ़ को डेयरी उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने डेयरी विकास, पशु उत्पादकता संवर्धन, पशु प्रजनन और पशु पोषण को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक योजना के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दृढ़संकल्पित है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, संचालक पशुपालन रिमिजियूस एक्का सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन

नक्सलवाद पर लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत, दशकों बाद बस्तर के गांवों में गूंजेगा लोकतंत्र का स्वर

जनता ने चुना विकास का मार्ग, हिंसा को दिखाया बाहर का रास्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण में लोकतंत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बस्तर संभाग, जो दशकों तक नक्सलवाद के साए में रहा, अब लोकतंत्र के उजाले की ओर बढ़ रहा है। सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्रामीण पंचायत चुनाव में मतदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में जनता ने विकास का मार्ग चुना है और हिंसा को बाहर का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन राज्य और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सतत विकास कार्यों और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था का परिणाम है। यह केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोकतंत्र के प्रति बढ़ते विश्वास और भयमुक्त समाज की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रमाण है।

बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों द्वारा कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नवीन सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार द्वारा ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि बस्तर में नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती में भी इस बार ग्रामीण मतदान के लिए उत्साहित हैं। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत को दर्शाता है। राज्य में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, दंतेवाड़ा और गरियाबंद जिलों में भी मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। बीजापुर के पुसनार, गंगालूर, चेरपाल, रेड्डी, पालनार जैसे क्षेत्रों में ग्रामीणों ने निर्भीक होकर मतदान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा कि बस्तर में गनतंत्र के ऊपर गणतंत्र की विजय हो रही है। यह उन सभी ग्रामीणों की जीत है, जिन्होंने भय को त्यागकर लोकतंत्र को अपनाया। यह सुरक्षाबलों के परिश्रम, सरकार की दूरदृष्टि और जनभागीदारी का प्रतिफल है। लोकतंत्र की इस जीत में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी मतदान प्रक्रिया का सफल और शांतिपूर्ण आयोजन यह साबित करता है कि लोकतंत्र के प्रति आमजन की आस्था दिनों-दिन मजबूत हो रही है। लोकतंत्र की इस सफलता में हर नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है, और राज्य के मतदाताओं ने यह दिखा दिया कि वे अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह जागरूक हैं।

बस्तर में लोकतंत्र की मजबूत जड़ें, नक्सलवाद के अंत की ओर ऐतिहासिक कदम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार बस्तर के नागरिकों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए संकल्पित है। बस्तर में सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल और रोजगार परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों का शासन और लोकतंत्र पर विश्वास बढ़ा है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में रोशनी की नई किरण, विद्युत सुविधाओं के विस्तार को मिली रफ्तारः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में ऊर्जा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक में प्रदेश में निरंतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, सौर ऊर्जा (स्श्यड्डह्र श्वठ्ठद्गह्म्द्द4) को बढ़ावा देने और नवीन तकनीकों के माध्यम से बिजली व्यय को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर, नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर और उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं देकर हम राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएंगे। साथ ही, ग्रामीण व शहरी विद्युतीकरण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नियद नेल्लानार योजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए व्यापक विद्युतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित सभी गाँवों को विद्युत सुविधा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने और उनके जीवन स्तर को

सुधारने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत सुविधाओं से वंचित शेष क्षेत्रों को जल्द से जल्द रोशन किया जाए।

ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीण और शहरी विद्युतीकरण से जुड़ी राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी अधिक सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री साय ने बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉस (T&D Loss) को कम करने, तथा तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को रोकने के लिए ठोस रणनीति विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिकतम करने की आवश्यकता पर बल दिया। छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं।

उपभोक्ताओं को बिजली बिल भुगतान में राहत

मुख्यमंत्री श्री साय ने बिजली बिल के बकाया भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं को विशेष राहत देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिजली बिल का समय पर भुगतान न होने से सरकार को राजस्व हानि होती है, वहीं उपभोक्ताओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिए बकाया बिल के एकमुश्त भुगतान की विशेष सुविधा दी जानी चाहिए, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिले और सरकार के राजस्व में भी वृद्धि हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को मोबाइल मैसेज और लिंक के माध्यम से उनके बिजली बिल की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे आसानी से ऑनलाइन भुगतान कर सकें।

दुर्गडोंगरी मंदिर है आस्था और विश्वास का केन्द्र

प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की दृष्टि से अद्भुत स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ का बालोद जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में एक अद्भुत स्थान है दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर, जो प्रकृति प्रेमियों और रोमांच पसंद करने वालों के लिए बेहद खास है। यह स्थान न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि अपने सुरम्य वातावरण और रोमांचकारी सफर के कारण भी पर्यटकों को आकर्षित करता है।

बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम कोटागांव के समीप स्थित यह स्थल हरे-भरे वनों के बीच ऊँचाई पर बसा हुआ है। यहाँ की प्राकृतिक छटा बहुत मनमोहक है। खासकर सूर्योदय और सूर्यास्त के समय का नज़ारा अत्यंत मनोहारी होता है, जो मन को शांति और ऊर्जा से भर देता है। आसपास फैले घने जंगल, बोईरडीह जलाशय का अद्भुत दृश्य और दूर तक फैली दल्लीराजहरा एवं महामाया की पहाड़ियाँ इस जगह की सुंदरता को और भी बढ़ा देती हैं। बारिश के मौसम में यहाँ की हरियाली अद्वितीय होती है, जिससे यह स्थान और अधिक आकर्षक हो जाता है। दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर तक पहुँचने का सफर अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। दल्लीराजहरा से महामाया रोड होते हुए लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद इस स्थल का प्रवेश द्वार मिलता है। यहाँ तक वाहनों के लिए सीसी सड़क बनी हुई है, जो ऊँचाई तक जाती है। इसके बाद एक वाहन पार्किंग क्षेत्र है, जहाँ से पैदल यात्रा प्रारंभ होती है। मंदिर तक पहुँचने के लिए सीढ़ियों और कच्चे पगडंडी मार्ग से होकर जाना पड़ता है। यह सफर थकावट भरा जरूर होता है, लेकिन जैसे-जैसे ऊपर बढ़ते हैं, प्रकृति के अनुपम दृश्य हर थकान को दूर कर देती है। मंदिर तक पहुँचने के बाद ऊँचाई से दिखने वाला मनोरम नज़ारा इस यात्रा को अविस्मरणीय बना देता है। इस स्थान को दुर्गडोंगरी कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ पर्वत पर स्थित किला होता है। माना जाता है कि यहाँ कभी एक किला था, जिसके अब केवल अवशेष ही बचे हैं। किले के अवशेषों के साथ ही यहाँ स्थित किल्लेवाली माता का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। हर मौसम में यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ किल्लेवाली के दर्शन करने आते हैं।

दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ों की ऊँचाई, जलाशय का मनमोहक दृश्य और रोमांचक चढ़ाई इसे एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थल निश्चित रूप से यहां आने वाले लोगों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950